स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 2 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 अगस्त 2023 ✦ वर्ष 12 ✦ कुल पृष्ठ 48 ✦ मूल्य ₹5

पर्युषण महापर्व

की हार्दिक शुभकामनाएं

TAILOR MADE
SOLUTIONS
FOR DIVERSE
INDUSTRY NEEDS

MEI POWER PRIVATE LIMITED

MARSON'S
AGRA, INDIA

25 KVA to 14 MVA
Type Tested as per
BIS Level 3 & 2 / IEC & IS

संस्थापक - स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त, 1927 - 31 अगस्त, 2016)

आपका स्नेह, सेवाभाव, समाज की प्रगति की भावना, उच्च विचार एवं
प्रेरणादायक जीवन सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

Transformers | EPC Contractor | Renewable Energy Solutions

MEI POWER PRIVATE LIMITED
Correspondence: 1/189 Delhi Gate, Civil Lines, **Agra - 282 002 (INDIA)**
Ph: +91 562 2520027, +91 562 2850812
Works: Mathura Road, Artoni, **Agra - 282 007 (INDIA)**
Ph: +91 90277 09944, +91 92580 78803
info@marsonselectricals.com www.marsonselectricals.com

9001 14001 MIDEL ENERGY IS LIFE CONSERVE IT Directives

Transformers | EPC Contractor | Renewable Energy Solutions

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

मूल्य ₹ 5/-

अंक 2 ✦ 25 अगस्त 2023 ✦ वर्ष 12 Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com कुल पृष्ठ : 48

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री त्रिलोक चन्द जैन *(अध्यक्ष)*
नया बास, सकर कूंई के पीछे, अलवर (राज.)
मोबा.: 8233082920

श्री महेश जैन *(महामंत्री)*
टी-22, अलंकार प्जाला, सेन्ट्रल स्पाइन, सेक्टर 2,
विद्याधर नगर, जयपुर-302039 (राज.)
मोबा.: 9414074476
Email : abpjmmaheshjain@gmail.com

श्री भागचन्द जैन *(अर्थमंत्री)*
पुराने जैन मंदिर के पास, नौगावां,
जिला अलवर-301025 (राज.)
मोबा.: 9828910628
E-mail : bhagchandjain07@gmail.com

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संपादक की कलम से.....

अ.भा.प.जैन महासभा के चुनाव संपन्न हुए कई महीने व्यतीत होने के बाद भी स्थिति स्वयं महासभा व पल्लीवाल जैन समाज के लिए उत्साहवर्धक व सुखद नहीं कहीं जा सकती है। उच्च पदस्थ सम्मानीय पदाधिकारीयों में एक राय, सामंजस्य व मिल-जुल कर कार्य करने की भावना में कमी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, इससे समाज में पदाधिकारीयों के प्रति नकारात्मक छवि उत्पन्न हो रही है। चुनाव संपन्न होने के बाद भी आपस में गुटबाजी बनी रहती है, निर्वाचित पदाधिकारीगण एवं सदस्य दलगत राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं। पदाधिकारीगण एवं सभी सदस्य आपसी मतभेद भुलाकर समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलें व मार्गदर्शन करें, जिससे समाज विकास व उन्नति के शिखर पर पहुंचे। साथ ही समाज के प्रबुद्ध वर्ग की भी नैतिक जिम्मेदारी हो जाती है कि समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण को वापस लाने व उसको कायम रखने में सहयोग प्रदान करें। संगठन को समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों पर भी ध्यान देना होगा और उनको दूर करने के लिए प्रयास करने होंगे, जिससे समाज में युवा वर्ग अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर सके। समाज का उत्थान व विकास सभी लोगों के आपसी सहयोग, स्वस्थ सोच से ही संभव है। एक दूसरे पर आक्षेप लगाकर नीचा दिखाकर अहंकार के वशीभूत होकर समाज की सोच में बदलाव नहीं किया जा सकता है।

समाज, महासभा व शाखाओं में चल रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करने का सशक्त माध्यम श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका है। पत्रिका प्रबंधन व संपादक मंडल के पास कई पत्रिका सदस्यों की शिकायत आती हैं कि पत्रिका कई महीनों तक प्राप्त नहीं होती है या बहुत देर से प्राप्त होती है। वास्तव में यह चिन्ता योग्य विषय है। हम सभी को आश्वस्त करते हैं कि पत्रिका को ना तो रोका जाता है ना देर से भेजी जाती है, पत्रिका हर महीने की 27 तारीख को साधारण डाक द्वारा भेजी जाती है। डाक विभाग से शिकायत कर यही प्रयास रहता है कि पत्रिका प्रत्येक सदस्य के पास समय पर पहुंचे।

अठाई व पर्युषण पर्व प्रारंभ हो चुका है, यह जैन समाज का एक महत्वपूर्ण पर्व है। पर्युषण पर्व विकारों के विसर्जन का महापर्व है। जीवन में जो दोष आ जाते हैं उन्हें खत्म करने का प्रयास इस समय किया जाता है। यह पर्व व्यक्ति को क्रोध, माया, लोभ, ईर्ष्या, द्वेष आदि विकारों की भावना को मुक्त होने की प्रेरणा देता है।

सबसे क्षमा, सबको क्षमा! *-प्रकाश चंद जैन*

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये। प्राप्त लेखों में संशोधन कर प्रकाशन करने का अधिकार सम्पादक मंडल के पास सुरक्षित है।

भावभीनी श्रद्धांजलि

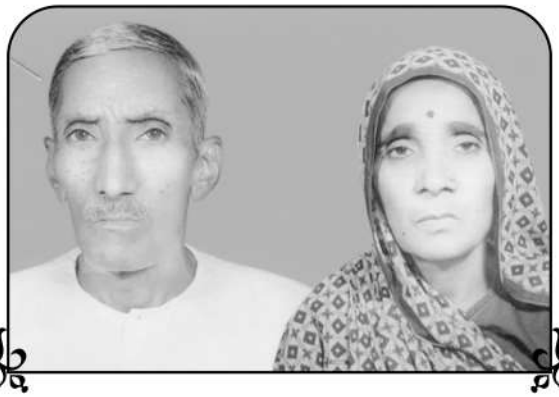

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,

पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी

पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन

पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप

पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवास :
बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

हर व्यक्ति कुछ-न-कुछ दे सकता है

श्रावक का आवश्यक कर्म - दान

जैनाचार्यों ने श्रावक के छह आवश्यक कर्म बताये हैं जिन्हें उनको प्रतिदिन करना चाहिए, ये हैं- देव पूजा, गुरुपास्ति, स्वाध्याय, संयम, तप और दान। अंतिम कर्तव्य दान है लेकिन इसका बहुत महत्त्व बतलाया गया है, दान करने से स्वर्ग और मोक्ष की प्राप्ति होती है। दान चार प्रकार का बतलाया गया है- आहार दान, औषधि दान, शास्त्र दान, और अभय दान।

दान किसको देना चाहिए? इसके लिए कहा गया है कि दान पात्र को देना चाहिए, यानि कि ऐसे व्यक्ति को देना चाहिए जो मोक्षमार्ग में लगा हो। अपात्र या कुपात्र को दान नहीं देना चाहिए। यहाँ आचार्यों ने और अधिक स्पष्ट किया कि जैन मुनि ही सच्चे और उत्तम पात्र हैं क्योंकि वे मोक्षमार्ग में अग्रसर हैं। अत: इनको ही दान देना चाहिए। इसका अर्थ यह हुआ कि हमें मुनिराजों को आहार देना, यदि उनका स्वास्थ्य ठीक न हो तो उनको औषधि उपलब्ध कराना, स्वाध्याय के लिए उन्हें शास्त्र भेंट करना, और उनके ठहरने के लिए धर्मशाला या उपाश्रय बनवाना चाहिए। यह श्रावकों का आवश्यक कर्म है।

कुछ उदारवादी आचार्यों ने दान का दायरा थोड़ा और बढ़ा दिया और उन्होंने जैन व्रती श्रावकों और गृहस्थों को भी क्रमश: मध्यम और जघन्य पात्र मान कर उनको भी दान देने की बात कही। कुछ आचार्यों ने दीन-दुखियों को दया भाव से दान देने की बात भी कही। लेकिन ये सब व्याख्यायें भी अपूर्ण लगती हैं। आगे बढ़ने से पहले हम तेरापंथ आचार्य महाप्रज्ञ जी के एक अनुभव को सांझा करना चाहेंगे।

एक बार महाप्रज्ञ जी केरल की यात्रा पर गये। वहाँ उन्होंने जैन मंदिरों के अनेक भग्नावशेष देखे। उनका कहना था कि किसी समय केरल में जैन धर्म का बहुत प्रचार था। धीरे-धीरे अधिकतर जैन लोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया। लेकिन ऐसा अकारण नहीं हुआ। वस्तुत: जैनों ने अपने कर्तव्यों का ठीक से निर्वहन नहीं किया। प्राचीन काल में जैनों का परम कर्तव्य था कि जिनके पास भोजन नहीं है, उनको भोजन उपलब्ध करना, जिनको औषधि की आवश्यकता है उनके लिए औषधालय खुलवाना, गरीबों को शिक्षा मिल सके उसके लिए विद्यालय खुलवाना और जिनके सर पर छत नहीं है उनके लिए मकान बनवाना। कालांतर में जैनों ने अपने इन कर्तव्यों को जैन साधुओं तक या फिर व्रती श्रावकों तक ही सीमित कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि गरीब लोगों ने जैन धर्म छोड़ दिया। जो जैनों के कर्त्तव्य थे उनको ईसाईयों ने अपना लिया, उन्होंने गरीबों के लिए विद्यालय और चिकित्सालय खुलवाये, गरीब-अमीर का भेद नहीं रखा, सब एक साथ प्रेयर करते थे। इससे प्रभावित होकर बहुत से जैन लोग ईसाई बन गये।

आज हम यह तो चिंता करते हैं कि जैन समाज की जनसंख्या दिन-प्रति-दिन कम होती जा रही है, लेकिन इस ओर विचार नहीं करते हैं कि अजैनों को जैन कैसे बनाया जाय। कोरे अध्यात्म की बात से कोई जैन नहीं बनता है। यदि किसी को जैन बनाना है तो उसे पहले रोटी, कपडा, मकान, शिक्षा आदि तो देना ही होगा, साथ ही समकक्ष भी मानना होगा, उसे अपने से कमतर मानने का विचार भी छोड़ना होगा।

हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार यशपाल जैन ने एक अन्य बात बहुत महत्वपूर्ण बताई। हमको 'दान' शब्द के स्थान पर 'सेवा' शब्द का व्यवहार करना चाहिए। दान शब्द में अहंकार की भावना, दूसरे से अपने को बड़ा मानने की भावना मस्तिष्क के पृष्ठ भाग में बनी रहती है। जबकि सेवा में कर्तव्य-बोध है। यदि कोई अभावग्रस्त है तो उसकी सेवा करना हमारा कर्तव्य है, यह हमारा धर्म है। हमें उसकी सहायता करनी ही चाहिए। यदि हम अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं कर रहे हैं तो हम अधर्मी हैं, अनैतिक है।

सेवा - वह भी बिना पैसे के

किसी संपन्न व्यक्ति को इस बात का अभिमान हो जाता है कि वह संपन्न हैं इसीलिए वह किसी को कुछ दे पा रहा है। यह उसकी मिथ्या धारणा है। दान भले ही संपन्न व्यक्ति ही कर सके, लेकिन सेवा तो बिना धन के भी की जा सकती है। सेवा कोई भी कर सकता है। मैं अपने जीवन के दो प्रसंग यहाँ बताना चाहूँगा। एक घटना 1960 के दशक की है। आगरा में 'सरोजनी नायडू मेडिकल कॉलेज अस्पताल' आगरा क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहाँ आसपास के हजारों मरीज प्रतिदिन आते हैं।

हमारे मोहल्ले के निम्न मध्यम वर्गीय लगभग 70-72 वर्ष के एक बुजुर्ग श्री सूरजभान जैन 'प्रेम' रहते थे। फ़िल्मी गानों की तर्ज पर भजन बनाना उनका शौक था। उनके हमउम्र के 6-7 लोगों का एक ग्रुप था जिसका नाम था 'नागरिक सहायता समिति'। उनका एकमात्र कार्य था कि सुबह से ही अस्पताल में पहुँच जाते थे। वहाँ पर उन्होंने एक तखत (दीवान) लगा रखा था और अपने ग्रुप का एक बैनर टांग रखा था। अस्पताल बहुत बड़ा था, आसपास के गाँवों से अनेक लोग आते थे। उन्हें समझ में नहीं आता था कि कहाँ से परचा बनवाना है, किस डाक्टर के पास जाना है, कहाँ से दवाई लेनी हैं। वे लोग भारी भीड़ में इधर-उधर भटकते रहते थे। समिति के लोग ऐसे लोगों की पूरी मदद करते थे। उस समिति का प्रत्येक सदस्य एक साथ दस-दस ऐसे मरीज व्यक्तियों की मदद करता था। उन्हें बताते थे कि उन्हें किस डॉक्टर

की लाइन में बैठना है, उनका कौन सा नंबर है। और वे डॉक्टर को दिखाकर बाहर आते थे तो उन्हें बताते थे कि दवाई कहाँ से मिलेगी, आदि। जब तक उन मरीजों का काम पूरा नहीं हो जाता था, तब तक वे उनके आगे-पीछे ही घूमते रहते थे। यह सब कार्य नि:स्वार्थ भाव से करते थे। ये लोग 11 बजे तक वहाँ रहते थे। उसके बाद मरीजों की भीड़ कम होने पर ही वे अपने-अपने घर आते थे। इससे उन गरीब अशिक्षित ग्रामीणों को बहुत मदद मिलती थी। यह उस समय की बात है जब बहुत से ग्रामीण लोग अशिक्षित और नासमझ थे। आज शायद ऐसी स्थिति नहीं है। हमें इस घटना से मात्र यह ही लेना चाहिए कि यदि मन में सेवाभाव है तो सेवा कैसे भी करी जा सकती है।

इस सेवा कार्य में धन का क्या काम ? किसी को सेवा करनी है तो वह कैसे भी कर सकता है। उसके लिए पैसा होना आवश्यक नहीं है। कई बार तो उल्टे गरीब लोगों को अमीरों की सहायता करते देखा जाता है वह भी निस्वार्थ भाव से। यदि किसी धनाड्य की कार बरसात के दिनों में कहीं कीचड़ में फँस जाय तो उसे धक्का देने के लिए आस-पास के गरीब युवक ही आते हैं। कोई दूसरा कार वाला कभी अपनी कार से उतर कर नहीं आता है। जब धनाड्य की सहायता गरीब कर रहा है तो उस धनाड्य के अभिमानी होने का क्या अर्थ है ? बड़े-बड़े उद्योगों में मालिक और नौकर की अवधारणा भी गलत लगती है। नौकर मालिक पर आश्रित है या मालिक नौकर पर, यदि सभी काम करने वाले अपना काम करना बंद कर दें, तो मालिक की क्या हैसियत ? मालिक काम वालों को पैसा देता है तो वे भी उसे अपनी सेवा देते हैं।

एक घटना लगभग 1980 की है। हमारे निकट ही एक बुजुर्ग जैन दम्पत्ति रहते थे। नि:संतान थे और अभावग्रस्त भी थे। लेकिन स्वाभिमान के कारण किसी से कुछ मांगने में भी संकोच करते थे। मुझे ज्ञात था कि ऐसे व्यक्तियों को साठ रुपये प्रतिमाह प्रति व्यक्ति के हिसाब से सरकार की ओर से पेंशन की व्यवस्था है। शायद उनको भी पता था। लेकिन संकोचवश किसी से कुछ कह नहीं पाते थे। मैंने अपनी माताजी से कहा कि उनसे पूछना कि यदि सरकारी पेंशन बढ़ जाय तो उन्हें कोई आपत्ति तो नहीं होगी। माताजी ने उनसे पूछा तो उन्होंने कहा ऐसा हो जाय तो ठीक है। मैंने बिना किसी को कुछ बताये प्रयास शुरू किया। कलेक्ट्रेट से दो आवेदन-पत्र लाया, उनको उनसे भरवाया, उनका मेडिकल करवाने में एक अन्य ने सहयोग किया। दो-तीन चक्कर तो लगाने पड़े लेकिन कुछ समय बाद दोनों के 120 रुपये महीने आने लगे और उन दोनों को बड़ा सुकून मिला। इस कार्य में क्या खर्च हुआ। आज भी हम अनेक लोगों को देखते हैं कि जानकारी के अभाव में इस प्रकार की सुविधाओं का वे लाभ नहीं ले पाते हैं। यदि कोई उन्हें इस कार्य में थोड़ी मदद कर दे तो वे भी लाभ ले पायें। मेरे कहने का मतलब है कि ऐसे कार्यों में क्या खर्च हुआ ? सेवा कई प्रकार से की जा सकती है वह भी बिना पैसा खर्च किये हुए। मात्र अपने आसपास के क्षेत्र में ही अच्छे से नजर दौड़ाने की जरुरत है।

यदि आपके पास पैसा है तो किसी जरूरतमंद की सहायता पैसे से भी करें। और यदि पैसा नहीं भी है तब भी आप दूसरों की सेवा कर सकते हैं। जब हम किसी गरीब की नि:स्वार्थ भाव से सेवा करते हैं तो वह आपसे प्रभावित हुए बगैर नहीं रहेगा। वह आपके आचरण को समझने और उसका अनुसरण करने का स्वयं ही प्रयास करेगा। जब वह देखेगा कि जैन लोग दूसरों की हर प्रकार से मदद करते हैं तो वह जैन धर्म से प्रभावित होगा ही। जैन धर्म में सम्यक्-दर्शन के प्रभावना अंग का आशय भी यही है कि हम अपने आचरण से दूसरों को प्रभावित करें।

इस प्रकार हम देखते हैं कि श्रावक के आवश्यक कर्त्तव्यों में दान के स्थान पर सेवा ही अधिक उपयुक्त जान पड़ता है। लेकिन सेवा बिना किसी भेदभाव के होनी चाहिए जिस प्रकार सिख समाज के गुरुद्वारों में होती है। वहाँ लंगर चलता है, कोई भी आओ, पंक्ति में बैठो और भोजन कर लो। सिख समाज के लोग अपने अभिमान को कम करने के लिए एक कार्य और करते हैं। जो कोई भी व्यक्ति गुरुद्वारे में जाता है उनके जूते चप्पलों को ठीक से रखने के लिए प्रत्येक सिख - अमीर हो या गरीब, बारी-बारी से अपनी सेवा देता है।

हम निर्भर हैं दूसरों पर

अब प्रश्न उठता है कि क्या हम ही सेवा कर सकते हैं या करते हैं ? क्या हम दूसरों से सेवा प्राप्त नहीं करते हैं ? इस पर कुछ विचार करते हैं। दैनिक व्यवहार में हम देखते हैं कि हमें अपना शांतिपूर्ण और आनंदमय जीवन यापन करने में अनेक लोगों हमारी मदद करते हैं। हमारे घर में अनेक प्रकार की वस्तुए होती हैं- टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन आदि। इनकी सर्विस के लिए हमें मैकेनिक लोगों की आवश्यकता होती है। यदि ये हमें अपनी सेवा देना बंद कर दें तो हमारा जीवन कष्टमय हो जाय। मिस्त्री, बढ़ई, इलेक्ट्रीशियन आदि सभी की हम सेवा प्राप्त करते हैं। भले ही हम उन्हें पैसे देते हैं, लेकिन उनकी सेवा तो हम प्राप्त करते ही हैं। दूधवाला, सब्जीवाला, कचरे उठाने वाला सभी से तो हम कुछ- न-कुछ सहयोग प्राप्त करते ही हैं। किसान हमारे लिए अन्न और सब्जी फल आदि उगता है। इन सब कार्यों में हम क्या सहयोग करते हैं, हम तो भोगी ही हैं। छोटा-बड़ा हर कोई हमारी मदद ही कर रहा है। इसी कारण रहीमदास ने बहुत ही सुन्दर शब्दों में लिखा है-

रहिमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डार।
जहाँ काम आवै सुई कहा करै तलवार।

मनुष्य सोचता है कि वह सबसे ताकतवर है। वह ही विश्व में एकमात्र प्राणी है जो किसी की कुछ मदद कर सकता है। यह उसका अभिमान है। वास्तविकता तो यह है कि हम स्वयं दूसरों

के आश्रित हैं। यहाँ तक कि पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व पशु-पक्षिओं पर ही नहीं बल्कि कीट-पतंगों और सूक्ष्म जीवों पर भी निर्भर करता है। यदि ये न हों तो हमारा अस्तित्व भी नहीं रहेगा। लेकिन मनुष्य का अभिमान इस बात तो स्वीकार नहीं करने देता है। जैन धर्म में भी कहा गया है- 'परस्परोपग्रहो जीवानाम्', यानि परस्पर एक-दूसरे का उपकार करना जीव का लक्षण है। सामान्य रूप से हम कह सकते हैं कि एक जीव दूसरे जीव को जीने में मदद करता है। इसीलिए कहा गया है कि स्वयं जीओ और दूसरों को भी जीने दो, यानि कि- 'जीओ और जीने दो'। प्रत्येक जीव एक दूसरे पर उपकार करते हैं। बिना एक-दूसरे के सहयोग के काम चल ही नहीं सकता।

अब हम थोड़ा विज्ञान की दृष्टि से विचार करते हैं। विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे, कीट-पतंगे, पशु-पक्षिओं का होना जैव-विविधता कहलाती है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जैव-विविधता का होना बहुत आवश्यक है। यदि कोई एक प्रजाति नष्ट होती है तो विश्व का जीवन चक्र (life cycle) बिगड़ जाता है। इस प्रकार पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए छोटे-बड़े सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। सभी जीवों की मौजूदगी होने पर ही हमको साफ़ हवा और पानी मिल सकता है। लेकिन आज मनुष्य अधिक लालची हो गया है। बिना पर्यावरण सुरक्षा की चिंता किये हुए छोटे-बड़े जीवों की जाने-अनजाने में हिंसा कर रहा है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यदि साफ़ हवा और पानी ही नहीं रहेगा तो क्या इस पृथ्वी पर मनुष्य जीवित रह सकेगा? खैर!

हम अपनी मूल बात पर आते हैं। मनुष्य स्वयं तो इतना दुर्बल है कि वह अन्य पंचेन्द्रिय आदि बड़े जीवों पर ही नहीं, बल्कि यहाँ तक कि उसे एकेंद्रिय जीवों पर भी निर्भर रहना होता है। उनसे हम कुछ-न-कुछ पाते हैं। हवा और पानी के बिना कोई भी मनुष्य जीवित नहीं रह सकता है। जैन धर्मानुसार हवा और पानी में भी एकेंद्रिय जीव होते हैं। पेड़-पौधों के बिना मनुष्य जीवित नहीं रह सकता है, ये भी एकेंद्रिय जीव हैं। मनुष्य को अग्नि की भी आवश्यकता होती है, वह भी एकेंद्रिय जीव है। कहने का मतलब है मनुष्य स्वयं एकेंद्रिय जीवों का भी कृपा पात्र बना हुआ है। सभी एकेंद्रिय जीव भी मनुष्य को कुछ न कुछ देते हैं। वे हमारे उपकारक हैं।

मुख्य बात यह है कि हर व्यक्ति ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव हमको कुछ-न-कुछ देता ही है। हम दूसरों की तो शायद थोड़ी ही सहायता करते हैं, लेकिन उनसे हम लेते बहुत कुछ हैं। यहाँ तक कि हम एकेंद्रिय जीवों तक से भी सहायता लेते हैं, शायद उनसे तो सबसे अधिक लेते हैं, उनके कारण ही हम जीवित हैं।

-डॉ। अनिल कुमार जैन
डी-197, मोती मार्ग, बापू नगर, जयपुर
(साभार : 'जिनवाणी', अगस्त-सितम्बर 2023)

समाज को रचनात्मक योगदान दिए जाने हेतु

श्री मृगेंद्र जैन** (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महासभा)* ***के विचार

आज वर्तमान परिस्थित में महासभा जिस ओर जा रही है उसका दायित्व हम आज के नेतृत्व पर नहीं डाल सकते हैं। संपूर्ण प्रक्रिया को यदि थोड़ा सा विचार करके देखा जाय तो इसका दायित्व हमारे समाज का है जिन्होंने समाज के प्रति अपने उचित उत्तरदायित्व को न समझते हुए बहेलिए के जाल में फंस कर अपने मत का प्रयोग किया और दूसरी ओर संविधान के कमजोर पहलू का फायदा उठाते हुए जिसने किसी और के कंधे पर बंदूक चला दी और अभी भी चला रहा है। उसका अब कुछ नहीं हो सकता है। यह तो जो भी महासभा के सर्वोच्च पदों पर अपनी कूटनीति के द्वारा आसीन हो गए हैं और संवैधानिक अधिकार प्राप्त कर लिए हैं, यह उनको सोचना होगा कि समाज के इस पद पर हमको समाज ने क्यों बैठाया है, अब मेरा क्या दायित्व है, अपने विवेक और बुद्धि के साथ कार्य करे, कोई भी उसके कंधे का इस्तेमाल न कर सके, वरन ऐसा नहीं हो रहा है या तो उसको समाज के प्रति कोई लगाव नहीं है या समझ नहीं है कि क्या करना चाहिए। बस वो तो इस बात से प्रसन्नचित है कि हमको समाज का इतना सम्मानजनक पद प्राप्त हो गया है, यह हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है और समाज का क्या, मतदाता तो बिकाऊ है जब चाहे खरीद लेंगे।

जिसने कभी भी समाज के लिए जब कार्य ही नहीं किया, कोई दर्द नहीं लिया तो उसको लगाव क्यों होगा और जो कंधे पर रख कर बंदूक चला रहा है वो उसका पूरा आनंद ले रहा है।

कुछ सम्मानीय जन भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, विदुर, कृपाचार्य की भांति मूक बने हुए हैं, सब अपनी अपनी रोटियां सेक रहे हैं।

इसका एक ही उपाय है कि संविधान में संशोधन, पैसे का खेल नहीं चले, अनुभवी, योग्य और जिस व्यक्ति ने पूर्व में समाज के लिए अपना नि:स्वार्थ समय दिया हो समाज से लगाव हो सबको साथ ले चलने का भाव हो , नेतृत्व करने की क्षमता हो एक बार पद पर सुशोभित होने के बाद वो किसी का भी नहीं है वो संपूर्ण समाज के प्रति उत्तरदाई हो। राष्ट्रीय स्तर की सोच हो। क्षेत्रीय स्तर, शहर स्तर की सोच नहीं होनी चाहिए सदैव सदन की गरिमा का ख्याल रखे। यदि विचारो में भिन्नता हो तब भी उसको प्रकट नहीं करते हुए समाज के हित के लिए कार्य करे। सदन को शालीनता के साथ नेतृत्व दे एवं गाली गलौच, हाथापाई की परिस्थित उत्पन्न नहीं हो ऐसा माहौल बना कर रखे।

समाज को रचनात्मक योगदान दिए जाने हेतु

श्री बाबू लाल जैन (पालम दिल्ली) के विचार

महोदय, जिस प्रकार की स्थितियां वर्तमान समय में समाज के समक्ष पैदा हुई हैं, उससे समाज के ताने-बाने को काफी आघात पहुंचा है। यह वर्तमान नेतृत्व की अक्षमता और अपरिपक्वता की निशानी है। नेतृत्व को मंच, माला और माइक के ममत्व को छोड़कर सकारात्मक सोच की तरफ आपने को आगे रखना चाहिए। अपने अहम् की तुष्टि के लिए मर्यादाओं के उल्लंघन से अपने आप को रोकना चाहिए। संत कबीर के एक दोहे से अपनी बात को विराम देता हूं।

तारा मंडल बैंसि करि, चंद बडाई खाइ।
उदै भय जब सूर का,स्यूं तारॉं छिपि जाइ।।

****

श्री नितेश कुमार जैन (आगरा) के विचार

वर्तमान समय में समाज विघटन की ओर बढ़ रहा है अगर हम ऐसे ही आगे बढ़ते रहे तो हम कभी भी एकजुट नहीं हो पाएंगे, हमारा संगठन टूट जायगा। आज के समय की आवश्यकता है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को अपना ईगो ख़त्म करके, एकजुट होकर, अपने समाज की हर क्षेत्र में सहायता और सेवा करें। जब तक हमारे मन में सेवा भाव नहीं जागृत होगा तब तक हम समाज, परिवार एवं अपने से जुड़े हुए व्यक्तियों का कल्याण नहीं कर सकते हैं। हमें सब को एक साथ रखने के रास्ते पर ही चलना होगा!

कार्यकारिणी सदस्य, अ.भा.प.महासभा शाखा आगरा

****

श्री टीकम चन्द जैन के विचार

वर्तमान विषम परिस्थितियों में समाज की एकजुटता की बात कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं । मुझे यहाँ कवि की पंक्तियाँ याद आती हैं -

मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।

वर्तमान में समाज में चल रहे मतभेद भले ही हों, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए। समाज के सभी जन अपने हृदय की अंतर्तम गहराइयों से समाजोत्थान के लिए आगे आएँ, अपना योगदान करें, जितना उनसे बन सके अवश्य करें, तो निश्चित ही समाज बुलंदियों को छू लेगा। इसमें कोई संदेह नहीं। इसके लिए समाज के प्रबुद्ध एवं सुधीजनों को आगे आना होगा। विरोधियों एवं विरोधों से हार मानना नहीं।

समाज को मैं अपना रचनात्मक योगदान निम्न प्रकार से देने की भावना रखता हूँ :-

शिक्षा क्षेत्र में :- प्रतिदिन अपना कीमती समय 1-2 घंटा देकर छात्रों/छात्राओं के बौद्धिक, धार्मिक, शैक्षिक ज्ञान में अभिवृद्धि करके। शैक्षिक व धार्मिक पाठशाला के माध्यम से। समाज के बच्चों के लिए बिल्कुल फ्री सेवा करने की भावना। स्थान व आने-जाने की व्यवस्था समाज स्वयं करे। छात्र/छात्राओं को प्रश्न पत्र सोल्व करने की टिप्स देना। जिसके आधार पर 90% से अधिक अंक प्राप्त कर सके।

धार्मिक क्षेत्र में :- धार्मिक पाठशाला के अंतर्गत नवकार मंत्र, सामायिक पाठ, प्रतिक्रमण, पच्चीस बोल सीखना। साथ ही अपने माता-पिता, गुरुओं व अपने से बड़ों का आदर-सम्मान करना बड़ों को हाथ जोड़ कर विनय करना।

सामाजिक क्षेत्र में :- सामाजिक क्षेत्र में (समाज में) फैल रही कटुता व विषमता से अपने को दूर रखना। जीवन में अच्छाइयों को ग्रहण करना व बुराईयों का त्याग करना। विचारों में सूचिता एवं पवित्रता हर एक का प्रथम उद्देश्य हो।

वरिष्ठ साहित्यकार, रचनाकार,
सी-14, विद्युत नगर, अजमेर रोड, जयपुर

भूल सुधार

24.6.23 को आयोजित श्री महावीर जी मिटिंग में वरिष्ठ उपाध्यक्ष का नाम श्री विमल जी जैन (आगरा) ने नहीं श्री विजय जी जैन (दिल्ली) ने प्रस्तावित किया था।

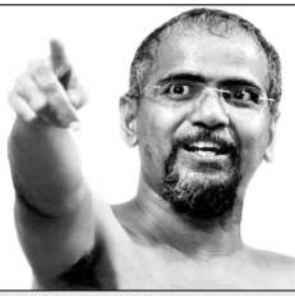

धर्मस्थलों में दान देने से पहले अपने कमजोर रिश्तेदार तथा समाज को सहारा दो। क्योंकि तुम्हारे दान की धर्मस्थलों में बैठायी गयी मूर्तियों से ज्यादा तुम्हारे कमजोर रिश्तेदार और गरीब समाज को जरूरत है।

व्यक्तित्व की पहचान : विनम्रता

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, समाज में रहकर ही वह अपना चहुंमुखी विकास कर सकता है। समाज में व्यक्ति अपने आपको सुरक्षित महसूस करता है। विचारक अरस्तू के अनुसार- 'जिस मनुष्य को समाज की आवश्यकता नहीं होती या तो वो पशु है या फिर कोई देवता।' यह बात सत्य प्रतीत होती है। व्यक्तियों के आभाव में समाज का निर्माण नहीं हो सकता। एक अच्छे समाज के निर्माण के लिए भी अच्छे व्यक्तित्व वाले लोगों की आवश्यकता होती है। मानवीय व्यवहार में अच्छे व बुरे दोनों ही गुण पाये जाते हैं। मानव के अच्छे गुण जैसे सहानुभूति, दयाभाव, विनम्रता, क्षमाभाव आदि समाज को उन्नति के पथ पर अग्रसर करते हैं और इसके विपरित ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध अहंकार आदि समाज को अवनति के पथ पर ले जाते हैं। इन्हीं गुणों के आधार पर व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्धारण होता है कि अमुक का व्यक्तित्व अच्छा है या अमुक व्यक्ति का व्यक्तित्व बुरा है।

मानवीय व्यवहार का अध्ययन करना बड़ा मुश्किल है, वह परिवर्तित होता रहता है। अनेक बार व्यक्ति का व्यवहार दिखावे में कुछ और प्रतीत होता है और वास्तविक रूप में कुछ अलग ही होता है। जिस तरह तलवार की कीमत उसकी धार से होती है उसी तरह व्यक्ति की कीमत उसके व्यवहार से होती है। किसी व्यक्ति का व्यक्तित्व उसी तरह है जैसे एक फूल के लिए सुगंध। व्यक्तित्व का निर्धारण रंग-रूप से नहीं बल्कि गुणों से होता है। यदि हम किसी से सकारात्मक व्यवहार की अपेक्षा रखते हैं तो हमारा व्यक्तित्व भी सकारात्मक होना चाहिए।

वचनों से व्यक्तित्व की पहचान होती है इसलिए सजगता आवश्यक है। सजगता से हम अच्छे वचनों का इस्तेमाल करते हैं। वचनों पर संयम आवश्यक है। वाणी वशीकरण का काम भी कर सकती है और विस्फोटक का काम भी। इसलिए सदैव सोच समझकर बोलना चाहिए। कहा जाता है- गोली का घाव भर जाता है पर बोली का घाव नहीं भरता। दान से भी बढ़कर सुन्दरता वाणी की मधुरता को माना गया है। इसलिए कहा है-

''ऐसी पाणी बोलिए, मन का आपा खोए
औरन कू सीतल करै, आपहु सीतल होए।''

यदि हम किसी को कुछ अच्छा ना दे सकें और उससे दो बोल मीठे बोल लें, यही बात उस व्यक्ति को एक संतोष का अहसास कराती है। विनम्र भाव रखकर हम गुणों का उपयोग कर जीवन में परिवर्तन कर सकते हैं। विनम्रता हमारा स्वभाव है, यह न आदत होनी चाहिए और ना ही दिखावा। वर्तमान भौतिकवादी युग में व्यक्ति दिखावे को ज्यादा महत्व देने लगा है। वह अपनी छवि और व्यक्तित्व का प्रदर्शन दिखावे से करता है। यदि सामने वाला व्यक्ति बड़े पद पर है तो उसके सामने विनम्र होना एक मजबूरी है और अपने समकक्ष या छोटे व्यक्ति के सामने विनम्रता की मात्र एक अभिनय बनता जा रहा है। महान पुरुष की पहली पहचान विनम्रता है। विनम्रता एक ऐसा मानवीय गुण है जो मानव मस्तिष्क को बदलावों के लिए तैयार करता है।

रहीम करि सम बल नहीं, मानत प्रभु की धाक।
दांत दिखावट दीन हैं, चलत घिसावट नाक॥

कवि रहीमदास जी ने कहा है कि हाथी अति शक्तिशाली होते हुए भी परम शक्तिशाली ईश्वर (महावत) को मान देता है। वह अपने बल पर अहंकार नहीं करता, वह अपनी नाक (सूंड) जमीन पर रगड़ते हुए ही चलता है। इसलिए व्यक्ति को भी अपने पद का, बल का और धन का अहंकार नहीं करना चाहिए। उसे सभी परिस्थितियों में विनम्र बने रहना चाहिए। विनम्रता व्यक्तित्व में निखार लाती है। इसलिए कहा जाता है- *'सादगी से बढ़कर कोई श्रृंगार नहीं और विनम्रता से बढ़कर कोई व्यवहार नहीं।'*

*-**रजनी जैन,** 80, शक्ति नगर, जयपुर*

श्री घनेश जैन (अलवर) का पत्र

आपको इस पत्र में मैं जैन मंदिर चुनाव के बारे में विचार साझा करना चाहता हूँ। यह चुनाव एक बड़े समुदाय को संगठित और एकत्रित रखने का महत्वपूर्ण तरीका हो सकता है, लेकिन इसके आयोजन के पीछे खर्चे और समय की अपव्यवस्था के कारण यह सार्थक नहीं होता है।

पहले तो, यह समझ में नहीं आता कि यह चुनाव हर बार बड़े बजट के साथ क्यों आयोजित होता है। हमारे समुदाय के सदस्य हमारे मंदिर में भगवान की भक्ति और सेवा के लिए आते हैं, और उन्हें यहां की सुविधाएं और सुखद वातावरण मिलता है। इस भगवानी सेवा के लिए हमें एकत्र करके पैसे खर्च करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। यह पैसा हमारे मंदिर के विकास और धार्मिक कार्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

दूसरे, यह चुनाव समय की अपव्यवस्था का कारण बनता है। बार-बार चुनाव होने से समुदाय के सदस्य अलग-अलग पक्षों में बंट जाते हैं और इससे विचार-विमर्शों और अनबन की स्थिति उत्पन्न होती है। इससे हमारे समुदाय की एकता पर दागी पड़ती है। इस विचारधारा का मतलब यह नहीं है कि हम समुदाय के विकास और प्रगति के लिए आवश्यक संगठनात्मक कदम उठाने के विरोध में हैं। चुनाव के लिए इतने बड़े खर्चे का कोई वास्तविक लाभ नहीं है और इससे हमारे समुदाय को अधिक से अधिक विभाजित किया जा रहा है। इस समय और पैसे को धार्मिक और समाज सेवा में लगा सकते हैं, जो हमारे समुदाय के उन्नति और समृद्धि में मदद करेगा।

मेरा सभी जैन समुदाय के सदस्यों से आग्रह है कि विभाजन और मनमुटाव को पीछे छोड़कर संगठनात्मक और समर्थन भाव से समुदाय के उत्थान में योगदान दें। हमारे मंदिरों को एक शक्तिशाली और सदैव समृद्ध समुदाय के रूप में विकसित करने के लिए सभी मिलकर मेहनत कर सकते हैं।

शाखा आगरा

15 अगस्त 2023 को 76 अमृत महोत्सव स्वतंत्रता दिवस की शुभ अवसर पर अ.भा.प. जैन समाज आगरा द्वारा समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारी व आगरा शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारी का एक अभिनंदन समारोह सेल्फी रेस्टोरेंट बोदला पर आयोजित किया गया। जिसमें आगरा पल्लीवाल जैन समाज के समस्त लोग उपस्थित रहे।

इस शुभ अवसर पर अ.भा.प.जैन महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेश जैन के द्वारा सर्वप्रथम राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, उसके उपरांत कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान महावीर के चित्र के आगे दीप प्रज्वलन पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिखर चंद जी जैन सिंघई, श्री देवकीनंदन जी जैन, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री जितेंद्र जैन, महामंत्री श्री महेश जैन, शाखा अध्यक्ष श्री रविन्द्र जैन द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। उसके उपरांत बच्चों द्वारा अपनी प्रस्तुति। उसके उपरांत पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिखरजी, श्री देवकीनंदन जैन, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. जितेंद्र जैन, महामंत्री श्री महेश जैन, राष्ट्रीय सहमंत्री श्री पवन चौधरी, आगरा शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रविंद्र जैन, महामंत्री श्री प्रमेन्द्र जैन, अर्थमंत्री श्री दीपक जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौ तपेश जैन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री राहुल जैन (एड), राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री राहुल जैन, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री देवेश जैन, पार्षद श्री राकेश जैन व समस्त कार्यकारिणी के सदस्यों का दुपट्टा, माला, तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

इस शुभ अवसर पर डॉ. जितेंद्र जैन ने कहा कि आज समाज को एक होने की आवश्यकता है। चुनाव जब होते हैं तो दो लोग आमने-सामने लड़ते हैं, एक जीत एक हारता है। जो हारता है उसको हार स्वीकार करनी चाहिए और उन्हें दोबारा से समाज हित में कार्य करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। जब भी हमारा समाज एकजुट और संगठित होकर काम कर सकेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री श्री महेश जैन ने कहा कि जिस तरीके से आगरा समाज ने आगरा शाखा के पदाधिकारियों का जो चयन किया है वह अपने आप में एक सराहनीय है। मैं देख रहा हूं कि इस आगरा शाखा में इस बार युवा वर्ग के लोग हैं, और आगरा समाज व केंद्र को इस शाखा से बहुत उम्मीद है, और हम समझते हैं कि वह सभी की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। मेरा यह भी मानना है कि इस शाखा के कार्यकाल में जो आगरा को महसूस हो रही थी पल्लीवल भवन की वह इसको पूरा करेंगे और केंद्रीय महासभा से जो भी इनको सहयोग चाहिए होगा उसके लिए महासभा तन, मन, धन के साथ आगरा शाखा के साथ खड़ी हुई है। इस नवीन कार्यकारिणी को हम सबकी ओर से बहुत-बहुत बधाई व हार्दिक शुभकामना।

इस अवसर पर पूर्व शाखा मंत्री श्री राजेश जैन ने कहा कि आज समाज में जिस तरह की परिस्थितियों पैदा हो रही है वह बहुत ही कष्टदायक है, हमें सारे मतभेद भुलाकर आगे बढ़ना चाहिए। आगरा पल्लीवल जैन समाज के लिए कार्य करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिखरचंद जैन सिंघई ने कहा कि समाज की एकजुट ही एकता का परिचय देता है यह जो नवीन शाखा आगरा की बनी है। मैं उनसे भी अनुरोध करूंगा कि समाज को और आगे तक ले जाएं और कुछ ऐसे कार्य करें जो मील का पत्थर साबित हो, आप कोई भी पुनीत कार्य करें आगरा समाज आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगा यह मेरा आश्वासन है। आप लोगों से हमारी काफी उम्मीदें हैं जिस पर आप खरे उतरेंगे ऐसा मेरा मानना है। उसके उपरांत अध्यक्ष जी ने सभा की समाप्ति की घोषणा की और सभी को भोजन के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीष जैन ठेकेदार विमल जैन द्वारा किया गया।

इस शुभ अवसर पर श्री महेश जैन (SBI), श्री सुनील जैन ठेकेदार, पूर्व डिप्टी मेयर श्री अशोक जैन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्रीमती रेखा जैन, श्री राकेश जैन बजाज, श्रीमती अलका जैन बजाज, पूर्व पार्षद श्रीमती सुषमा जैन पूर्व शाखा मंत्री श्री मुन्नालाल जैन, श्री शिव कुमार जैन, पूर्व अर्थमंत्री श्री अनिल बजाज, श्री विवेक जैन जयपुर, श्री विमल जैन, श्री पवन जैन, श्री भागचंद जैन, श्री पारस जैन, श्री विजय निवोरव, श्री अशोक जैन, श्री गिरीश जैन, श्री सौरभ जैन शास्त्री, श्री संदीप जैन, श्री उमेश जैन, श्री मंदीप जैन, श्री विनोद जैन, श्री अरविंद जैन, श्री सिद्धार्थ जैन, श्रीमती सचिन, श्रीमती रचना जैन, श्रीमती ममता जैन, श्रीमती चंचल जैन, श्रीमती सीमा जैन, महिला मंडल के अध्यक्ष सपना जैन, साधना जैन, रेखा जैन उपस्थित थे।

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)

(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)

(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

!! दशम पुण्य तिथि !!

स्व. श्रीमती सुधा जैन

जन्मः 02 अक्टूबर 1958 ▪ निर्वाणः 26 जुलाई 2013

आपकी मधुर स्मृतियों को हृदय में संजोए

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अचानक आपका जाना सोच से परे था; आज 10 वर्ष बाद भी यह शोक कम न था
आपकी बातें, आपकी यादें हमेशा साथ हैं; इसी वजह से आपकी मौजूदगी का अहसास है

श्रद्धान्वत:

श्री सुधीर कुमार जैन (पति), अंकेश - सोमिता (पुत्र-पुत्रवधु), अदिति - सौरभ (पुत्री-दामाद),
चार्वी, लवित्र (पौत्री - पौत्र), काव्या (नातिन) एवं समस्त परिवार

दसवीं पुण्यतिथि पर श्रृद्धांजलि

श्रीमती शिल्पी जी जैन

(6.7.1977 - 17.9.2013)

हम सभी परिवारजन आपके प्रेरणादायक चरित्र और जीवन का स्मरण करते हुए श्रृद्धापूर्वक श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पंकज जैन *(पति)*
कुनाल जैन *(पुत्र)*

मुन्नी देवी जैन
वीरेन्द्र कुमार-महारानी जैन
राजेन्द्र प्रसाद-कुसुम जैन
राधे लाल-विनोद जैन

पवन कुमार-नीरू
शालिनी-सुमित
प्रशम, ऋषभ, सारा

एवम् समस्त परिवारजन सकतपुर वाले (आगरा)

निवास :
फ्लेट नं. 203, गोल्डन सौभाग्य, बी-81, राजेन्द्र मार्ग,
बापू नगर, जयपुर-302015
सम्पर्क : 9811793746, 9810013895, 9540729705

तृतीय पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री केशरी नन्दन जी जैन

(पुत्र स्व. श्री बी.एल. जैन)

(जन्म तिथि : 10.01.1933) **(पुण्य तिथि : 26.09.2020)**

हम सभी परिवारजन आपके उच्च विचारों व आदर्शों को अपने जीवन में उतारने को सदैव प्रयासरत हैं तथा आपको सदैव श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
दीपक जैन-विनिता जैन
आलोक जैन *(एडवोकेट)*-पूनम जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
इंजि. पलाश जैन-आकांक्षा जैन
दीक्षान्त जैन *(एडवोकेट)*-शिवानी जैन

पौत्रगण :
नमन जैन *(एडवोकेट)*
यश जैन

निवास :
14, गंगा पथ, सूरज नगर (पश्चिम), सिविल लाइन्स, जयपुर
मोबाइल नं.: 8824222282, 9828115123

ग्वालियर महिला मंडल

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महिला मंडल शाखा ग्वालियर, द्वारा दिनांक 23.07.2023 रविवार को टोडी फतेहपुर और सोनागिर जी की तीर्थयात्रा का आयोजन किया गया।

प्रात: सुबह 6 बजे टोडी फतेहपुर के लिए सभी तीर्थ यात्री बस द्वारा रवाना हुए बस को ध्वजा दिखाकर सचिव श्रीमती मीतू जैन एवं उनके परिवार ने रवाना किया। रास्ते में धार्मिक हाऊजी, भजन, गेम्स आदि का आयोजन किया गया। सभी पूरे उत्साह से भाग लेते हुए भक्ति भाव से गाते बजाते हुए दोपहर 12 बजे टोडी फतेहपुर पहुंचे। वहां पूजा भक्ति की उसके बाद दाल-बाटी का आनंद लिया, फिर बस सोनागिर जी के लिए रवाना हुई। शाम के दर्शन एवं आरती सभी यात्रियों द्वारा सोनागिर जी में की गई। अध्यक्ष श्रीमती रत्नप्रभा जैन जी के मार्गदर्शन में पूरी यात्रा पूर्ण उत्साह एवं भक्तिभाव पूर्वक संपन्न हुई। संपूर्ण कार्यकारणी एवं पल्लीवाल (पुरुष) मंडल शाखा ग्वालियर का भी पूरा सहयोग प्राप्त हुआ इस यात्रा को सफल बनाने में। अंत में सचिव श्रीमती मीतू जैन ने सभी यात्रियों का आभार प्रकट किया।

****

महिला मंडल जयपुर

श्री पल्लीवाल जैन महिला मंडल शाखा जयपुर द्वारा 22.07.2023 को सांय 7:30 बजे से णमोकार महामंत्र का जाप एवं भक्ति संध्या का आयोजन श्री पल्लीवाल जैन भवन, थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर पर किया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में समाज के सम्माननीय जन पधारे।

कार्यक्रम की शुरुआत पंचपरमेष्ठी की आरती से की गई, तत्पश्चात श्रीमती अल्का जैन (सदस्या महासभा) द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

णमोकार महामंत्र का जाप श्रीमती बबीता जैन एण्ड पार्टी द्वारा साजों के साथ एवं पधारे हुए सभी महानुभावों ने एक साथ मिलकर किया।

भक्ति संध्या पर मधुर भजनों के द्वारा सभी भक्ति में भाव विभोर हो गए व पधारे हुए समाज जनों ने भी भजन गाये। पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

जाप के बाद उपस्थित जयपुर शाखा के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन, मंत्री श्री मनोज कुमार जैन एवं अर्थमंत्री श्री अनिल जैन का माला पहनाकर व तिलक लगा कर स्वागत किया गया। श्री बनवारी जैन (महासभा सदस्य), श्री पारस मल जैन (विवाह संयोजक महासभा), श्री श्रीचन्द्र जैन (पूर्व महामंत्री, महासभा), श्री राजेन्द्र जैन (पूर्व अध्यक्ष शाखा जयपुर) सभी का तिलक लगाकर, माला पहनाकर, शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। स्वागत की कड़ी में श्रीमती अल्का (सदस्या महासभा), उर्मिला जैन (पूर्व सदस्य महासभा) व पुष्पा जैन (मंत्री महिला मंडल अलवर) को शाल ओढ़ाकर, माला पहनाकर व तिलक लगाकर महिला मंडल जयपुर कार्यकारिणी द्वारा स्वागत किया गया।

श्रीमती अल्का जैन, श्री बनवारी जैन एवं श्री पारस मल जैन ने महिला मंडल को सहयोग राशि भेंट की। मंच संचालन मंत्री हिमानी जैन ने किया। कार्यक्रम में कार्यकारिणी पदाधिकारी रमा जैन अध्यक्ष, बबली जैन अर्थमंत्री, मनीषा जैन संगठन मंत्री, नीलम जैन सहमंत्री, प्रमिला जैन सांस्कृतिक मंत्री सदस्य अर्चना जैन, सपना जैन, दीपाली जैन, मधुलता जैन, मोनिका जैन, खुशबू जैन, सविता जैन, सुमन जैन, स्नेह जैन, पुष्पा जैन, लीना जैन आरती जैन, कमलेश जैन सभी उपस्थित थे। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात ठण्डाई वितरित की गई।

शाखा पालम

णमोकार महामंत्र जाप के दूसरे चरण में दि. 13.08.2023 को प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (अतिशय क्षेत्र), पालम गांव में श्री णमोकार महामंत्र का जाप श्री चन्द्रशेखर जैन, पवन जैन महावीर विहार सै. 1, द्वारका, पालम द्वारा अ.भा.प.जैन महासभा, पालम शाखा के तत्वावधान में कराया गया। काफी संख्या में महानुभावों ने धर्म लाभ प्राप्त किया। णमोकार महामंत्र का जाप हर माह के दूसरे रविवार को नियमित रुप से कराया जाता है।

शाखा आगरा

अ.भा.प.जैन महासभा शाखा आगरा के चुनाव, चुनाव अधिकारी श्री महेश जैन (SBI) के नेतृत्व में शांतिपूर्ण तरीके से 06.08.2023 को रत्नमुनि जैन इंटर कॉलेज, लोहामंडी में संपन्न हुए। चुनाव के दौरान कुल मत 1180 पड़े। जिसमें RPD पैनल के सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य भारी बहुमत से विजय हुए तथा शाखा मंत्री प्रमेन्द्र जैन निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव के दौरान अध्यक्ष पद के उम्मीदवार रबीद्र जैन को 716 मत मिले व अर्थमंत्री के प्रत्याशी दीपक जैन (दूध वाले) को 640 मत प्राप्त हुए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पूर्वी क्षेत्र से अमित जैन, अंकुश जैन, लोकेश जैन, राहुल जैन, सौरभ जैन, शिवम जैन, पश्चिमी क्षेत्र से आलोक जैन, अनंत जैन, आशीष जैन, धर्मचंद जैन, सचिन जैन, उत्तरी क्षेत्र से अरुण जैन, मनीष जैन (लवली), निर्मल जैन, वीरेन्द्र जैन, सुरेंद्र जैन, दक्षिणी क्षेत्र से ऋषि जैन, मुकेश जैन, प्रवीण कुमार जैन, सचिन जैन, सुनील कुमार जैन, डॉ. यतेंद्र जैन, मध्य क्षेत्र से दीपक जैन (जयपुर हाउस), दीपक जैन (लोहामंडी), नीरज जैन (बॉबी), पंकज जैन, राजीव जैन, नितेश जैन ने विजय प्राप्त की।

चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, ईमानदारी से संपन्न कराने पर चुनाव अधिकारी श्री महेश जैन को समाज के श्रेष्ठजनों द्वारा धन्यवाद दिया गया। इस अवसर पर महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री शिखर चंद जैन सिंघई, पूर्व महामंत्री डॉ जितेंद्र कुमार जैन, प्रमुख समाजसेवी विमल जैन मारसंस, दिगंबर जैन परिषद के महामंत्री सुनील जैन (ठेकेदार), पूर्व डिप्टी मेयर अशोक जैन, पार्षद राकेश जैन, महासभा के उपाध्यक्ष चौ तपेश जैन, संगठन मंत्री राहुल जैन (एड), संयुक्त मंत्री राहुल जैन पश्चिमपुरी, कार्यकारिणी सदस्य विमल जैन, राकेश जैन बजाज, श्रीमती रेखा जैन, श्रीमती अलका जैन बजाज, रमेश चंद जैन (आगरा कॉलेज), मनीष जैन ठेकेदार, पूर्व पार्षद सुषमा जैन, पूर्व अध्यक्ष शिव कुमार जैन, श्री राजेश जैन पूर्व मंत्री आगरा शाखा, पूर्व अर्थमंत्री अनिल जैन बजाज, पूर्व मंत्री अरविंद जैन, प्रहलाद कुमार जैन, पवन जैन, सतीश जैन, श्री मुन्ना लाल जैन, राजकुमार जैन, विमल जैन भागचंद जैन (रुनकता), सौरभ जैन शास्त्री, (विश्वनाथ ग्रुप), विनोद जैन, वीरेंद्र जैन श्रीमती ऊषा जैन मारसंस, श्रीमती संतोष बरौलिया, श्रीमती सचि जैन, श्रीमती सीमा जैन, श्रीमती रचना जैन, श्रीमती दीप्ति जैन, श्रीमती वंदना जैन, श्रीमती ममता जैन, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती साधना जैन, श्रीमती रेखा जैन आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

महिला मंडल मुरैना

धरती का आवरण बचाएं, आओ पर्यावरण बचाएं।
हरे भरे पौधों को लगाकर, पृथ्वी को दुल्हन सा सजाए॥
पेड़-पौधे मत करो नष्ट, सांस लेने में होगा कष्ट॥

अ.भा.प.जैन महिला मंडल मुरैना के द्वारा ज्ञान तीर्थ पर पौधारोपण किया गया, जिसमें मंडल के सभी सदस्यों ने मिलकर कई तरह के पौधे लगाए। अध्यक्ष करुणा जैन ने कहा- 'वृक्षों की जब करोगे रक्षा, तभी बनेगा जीवन अच्छा' अर्थात पेड़ों की सुरक्षा हमारा कर्तव्य है। प्रकृति को और अधिक सुंदर बनाने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए एवं उनकी रक्षा भी करना चाहिए।

धरती पर एक पेड़ तो अपलोड करके देखिये,
बादलों के सैंकड़ों झुंड आएंगे लाइक करने के लिए।

इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें अध्यक्ष करुणा जैन, शशी जैन, सरिता जैन, शोभा जैन, कल्पना जैन, शशि बाला जैन, वज्रलता जैन, बबीता जैन, राजकुमारी जैन, बबीता जैन, बीना जैन एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे, इसमें ब्रह्मचारी बहन ललिता दीदी एवं मंजुला दीदी के निर्देशन में वृक्षारोपण किया। इसके द्वारा हमारा सबको यही संदेश है-

पेड़ लगाओ - पेड़ बचाओ, इस दुनिया को सुंदर बनाओ।

जैन दर्शन का वैचारिक अधिष्ठान?

'आत्मनो मोक्षार्थम् जगद्विताय च।'

यह ध्येय वाक्य मानव जीवन के एक साथ दो उद्देश्य निर्धारित करता है। पहला अपना मोक्ष तथा दूसरा संसार के कल्याण के लिए कार्य करना।

जिस जैन धर्म की पहचान न केवल भारत में, अपितु सम्पूर्ण विश्व में भारत को अभिनव पहचान दिलवाई 'पंचमहावृत' आधारित वैचारिक अधिष्ठान के बल पर वो है जैन धर्म। आज जैन धर्म का अनुसरण करने के लिए समूची मानवशक्ति उद्धत दिखाई देती है।

जैन धर्मावलंबियों ने अपने परिश्रमी की पराकाष्ठा व पुरुषार्थ के बल पर न केवल अपन नाम किया अपितु जैन धर्म का सम्मान बढ़ाया। सरहदों से बाहर आज सम्पूर्ण मानव शक्ति जैन चर्या की ओर चल पड़ी है। टीवी चैनलों पर सबसे ज्यादा जैन धर्म के गुरुभगवन्तों के प्रवचन समस्त धर्मावलंबियों के द्वारा सुने जाते हैं।

आखिर ये अप्रत्याशित परिवर्तन क्यों आ रहा है? इसके मूल में हमारे धर्म का वैचारिक अधिष्ठान का आध्यात्मिक वैज्ञानिक होना।

कालसुसंगत सुपरिभाषित पंच महावृत जिन्हें हमारे तीर्थंकरों ने जिया ततपश्चात इन्हें कालजयी बनाया हमारे परिव्राजक गुरुभगवन्तो ने। जो आज धर्म के प्रकाश को जन-जन तक पहुचाने का सद्कार्य कर रहे हैं।

आज समूची दुनिया जब कलियुगी संताप से पीड़ित है उसमें एक मात्र आशा की किरण और विश्वास बहाल कर सकता है तो वो है जैन धर्म। जिस धर्म में प्रत्येक बात को ज्ञान के रूप में रखा है, उसे पहले धर्म और व्यावहार की कसौटी पर कसकर परखा और फिर उसे अनुयायियों ने आस्वादन के लिए रखा।

आज जब विश्व में अनाचार, निराशा, उद्विग्नता, मनोरोगिता और पथभृष्टता की आंधी आयी हुई है। जिधर देखो उधर रक्त वर्षा, मानसिक व शारीरिक रुग्णता, ईर्ष्या, द्वेष और रागपूर्ण दृष्टि की भयावहता हो ऐसे में यदि मानवता को राह दिखा सकता है तो वो है जैन धर्म का वैचारिक अधिष्ठान सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य का समूह ही है जो जीवन को 'सदिश दिशा' दे सकता है।

तेजी से बदलते वातावरण के परिदृश्य में आज पांचों महावृतों का स्खलन मानव जीवन में तेजी से देखा जा रहा।

मान, बड़ाई, पद, प्रतिष्ठा, तुलनामय जीवन और धन की राजसिक अभीप्सा की वजह से आज समाज में भी वैचारिक अधिष्ठान में ढीलापन देखा जारहा है।

जीवन से वचनबद्धता खत्म हो रही है। धर्म के प्रति सतही अनुराग तो है लेकिन वो व्यावहारिक जीवन में दिखाई नहीं देता है। धर्म की गहराई के नाम पर छिछलापन है। धर्म यदि कर्म में दिखे तो धर्म है अन्यथा उसे धर्म नहीं दिखावा ही कहा जाएगा। बुद्धि कौशल का अपना महत्त्व है, पर वो तभी प्रभावी हो पाता है, जब वह कर्मरूप में परिणत हो सके। ज्ञान की सार्थकता तभी है जब उसकी कर्म में परिणति हो।

सत्येन रक्ष्यते धर्मो। (सत्य से धर्म की रक्षा होती है।)

अंत:करण और इंद्रियों के द्वारा जैसा निश्चय किया हो वैसे का वैसा ही प्रिय शब्दो में कहने का नाम है सत्य भाषा।

सत्य का अभिप्राय है जो आंखों से दिखाई दे अर्थात तथ्यों को यथार्थ रूप में प्रस्तुत करना। लेकिन आज हम सत्य से दूर भाग रहे हैं। जिसकी वजह से कलह और दुखों की बाढ़ आ रही है।

'अहिंसा परमो धर्म: धर्म हिंसा तथैव च:'

जिसका अर्थ अहिंसा ही परम धर्म है पर धर्म की रक्षा के लिए की गयी धर्म हिंसा उससे भी बड़ा धर्म है।

जैन दर्शन का महत्त्वपूर्ण वैचारिक अधिष्ठान का आधार है अहिंसा। हिंसा किसी भी रूप में है तो वो त्याज्य है चाहे मानसिक, वैचारिक कायिक और कर्म में। लेकिन आज हम देखते हैं समाज की शाखा हो या महासभा किसी की भी मीटिंग बिना वाचिक हिंसा के नहीं होती है। वैचारिक मतभेद हो सकता है लेकिन वो मतभेद ध्यान रहे हिंसा का रूप नहीं ले।

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृध: कस्यस्विद्धनम्॥
(ईशोपनिषद्, मन्त्र 1)

समस्त परिवर्तनशील जगत में जो कुछ है, वह सब ईश्वर से आच्छादित या व्याप्त है। हमें त्याग के साथ अपना पोषण करना चाहिए और किसी के भी धन का लोभ न करें।

परिग्रह का जितना सुंदर और श्रेष्ठ अवतरण जैन धर्मावलंबियों में दिखाई देता रहा है वो हम सबके लिए अनुकरणीय है। उपभोग के अतिरिक्त धन को देवालय, धर्मशाला, समाज सेवा में नियोजन करने की परम्परा जैन धर्म में देखी जाती है।

अस्तेयप्रतिष्ठायां सर्वरत्नोपस्थानम् ॥

सत्य और अहिंसा के बाद तीसरा यम है अस्तेय, अर्थात चोरी नहीं करना।

सम्पूर्ण धर्म गुरुओं के प्रवचनों का आधार ही जैन धर्म का वैचारिक अधिष्ठान पँचमहावृत ही रहता है।

हमारे जीवन में इनकी उपस्थिति आचरण में चाहिए ऐसा प्रयास हमारा हो। संकल्प के साथ हो। प्रतिबद्धता के साथ हो। कलियुगी दुष्प्रभाव से बचाने में इन महावृतों की प्रासंगिकता ओर बढ़ जाती है। जब स्वरार्थपरता, आत्मप्रवंचना, कर्तव्यविमुखता, पथभृष्टता चरम पर है ऐसे में ये आयाम ही है जो हमें इन बुराइयों से बचा सकता है।

जंगल जंगल ढूंढ रहा है मृग अपनी कस्तूरी,
कितना मुश्किल है तय करना खुद की खुद की दूरी ॥

जीवन में दुखों से नहीं डरना। हम भविष्यगत दुखों से डरकर ही पथभृष्टता की ओर अग्रसर होते हैं। लेकिन हमें उन त्यागी तपस्वियों के जीवन को भी नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने ऐश्वर्य की परवाह किये सत्य का मार्ग नहीं त्यागा।

जीते जी मीराबाई को किसी ने नहीं समझा लेकिन जब मीरा ने दुनिया को त्यागा तो सदियों से उनका स्तुतिगान पूरा जगत कर रहा है।

राजा रामचन्द्र जी और सीता के जीवन में आयी विपत्तियों से हम सब परिचित हैं। लेकिन उन्होंने वचनबद्धता का मार्ग नहीं छोड़ा। क्योंकि वो एक तत्व के अनुयायी रहे कुल की रीत व शास्त्रों की विधि के। और फिर राजा से भगवान बने।

तीर्थंकर महावीर के जीवन में आये संकट भी उन्हें तप साधना से डिगा नहीं पाए और तप साधना संयम के मार्ग पर चलकर ही भगवान बने।

निष्कर्षत: ये ही जैन धर्म का वैचारिक अधिष्ठान आज हमारी जीवनचर्या से तिरोहित हो रहा है जिसकी वजह से काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, और मत्सर जैसे षड रिपु (शत्रु) हमारे जीवन में स्थायित्व बनाते जा रहे हैं। भटकती युवा पीढ़ी को रचनात्मक और समाजोपयोगी बना सकता है ये पावन पवित्र 'गुणसमूह' अधिष्ठान। बस उनके समक्ष हमारा स्वयं का आचरण इनसे परिबद्ध हो।

पँचमहावृतों की प्रासंगिकता आज इस युग में बढ़ जाती है जब चारो ओर घोर बादल हमारे जीवन में आच्छादित है।

-पवन कुमार जैन, *मानसरोवर, जयपुर*

पत्रिका सदस्यता

3261. Sh. Vinish Jain, 2/2 Mukta Prasad Nagar, Bikaner-334004, Mob.: 7737752444 *(CR D-3036)*

3262. Sh. Prakash Chand Jain S/o Late Sh. Madan Lal Jain, 241, Shanti Kunj, Alwar-301001, Mob.: 7410815584 *(CR D-3039)*

3263. Sh. Rajesh Kumar Jain C/o Adinath Offset Printers, Ward No. 14, Madhuvan Colony, Behind Govt. Hospital, Kherli, Alwar-321606 *(CR D-3026)*

3264. Sh. Praveen Kumar Jain, 96, Scheme No. 4, Rajendra Nagar, Alwar-301001 *(CR D-3027)*

पक्षी घर

श्री पल्लीवाल जैन जीव दया व यात्रा संघ जयपुर द्वारा श्री बरखेड़ा जैन तीर्थ स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरखेड़ा के मुख्य द्वार पर लगभग 60 फीट ऊंचे पक्षी घर का निर्माण करवाया गया है। पक्षी घर में लगभग 1500 पक्षियों के रहने की व्यवस्था है। पक्षी घर के ठीक नीचे 24×24 वर्ग फीट का चबूतरा दाना डालने के लिए बनाया गया है। पक्षी घर के ठीक सामने तालाब है जिसमें हमेशा पानी भरा रहता है। पक्षी घर के चारों ओर सुरम्य वातावरण है। पक्षी घर के निर्माण में लगभग 6.5 लख रुपए की लागत आई है।

जैन मंदिर की भोजनशाला की छत पर प्रतिदिन 100 किलो चुग्गा श्री पल्लीवाल जैन जीव दया एवं यात्रा संघ जयपुर द्वारा डाला जाता है। चुग्गे की व्यवस्था हेतु वर्तमान में 61 स्थाई सदस्य हैं तथा कुछ अस्थाई सदस्य हैं जो हर माह चुग्गे की घोषणा करते हैं। श्री पल्लीवाल जैन जीव दया एवं यात्रा संघ जयपुर द्वारा 15 स्थानों पर लगभग 80 कट्टे चुग्गा प्रति माह भिजवाए जाते हैं।

-श्री सुरेश चंद जैन *(परवेणी वाले)*
श्री संजय कुमार जैन *(कंजोली वाले)*

श्री जैन पैदल यात्रा संघ, जयपुर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय धार्मिक यात्रा

श्री नाकोडा - जीरावला - पावापुरी -रणकपुर यात्रा

जैन पैदल यात्रा संघ जयपुर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय श्री नाकोड़ा जी, जीरावला, पावापुरी एवं रणकपुर की यात्रा का सफल आयोजन दिनांक 11 अगस्त से 15 अगस्त 2023 के दौरान किया गया। यह धार्मिक यात्रा 2 ए.सी. बसों के माध्यम से करायी गयी जिसमें 101 यात्रियों ने धर्मलाभ लिया, जिसको कार्यकारिणी द्वारा बडे ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ यात्रा का सफल संचालन किया गया।

यात्रा का संक्षिप्त विवरण दिनांकवार निम्न है :-

प्रथम दिवस (11 अगस्त 2023) :- दिनांक 11 अगस्त 2023 को सायं 7:30 बजे शक्ति नगर जैन मंदिर, जयपुर से आरती के साथ शुरू हुई जो श्री नाकोड़ा जी में दिनांक 12 अगस्त 2023 को प्रातः 6:00 पहुंची।

द्वितीय दिवस (12 अगस्त 2023) :- सभी यात्रियों द्वारा नाकोडा पार्श्वनाथ व नाकोडा भैरव मंदिर के दर्शन किये व जिसके बाद मंदिर परिसर में भव्य स्नात्र पूजा में सभी यात्रियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

दोपहर 2 बजे भव्यातिभव्य भगवान का वरघोड़ा निकाला गया जिसमें ढोल नगाडों के साथ नाचते झूमते सभी यात्रियों ने साफा पहनकर बढ़-चढ़कर और हर्षोल्लाह के साथ भाग लिया, जिसमें 31 थालों में रखे चांदी का छत्र, नैवेद्य, फल, मेवा, डमरू, घुंघरू एवं अन्य सामग्री के साथ श्री नाकोड़ा पारसनाथ, श्री नाकोड़ा भैरव, एवं काल भैरव की पूजा का आयोजन किया गया। संघ के निवेदन पर जोधपुर से विशिष्ट अतिथि के तौर पर पधारे श्री मनोज जी जैन एडीआरएम, (उत्तर पश्चिम रेलवे) ने भी सपरिवार वरघोडे में भाग लिया। संघ द्वारा सामूहिक संध्या आरती एवं भक्ति संध्या का मय वाद्ययंत्रों द्वारा आयोजन किया गया जिसमें सभी यात्रियों व दर्शनार्थियों द्वारा भजनों एवं भक्ति नृत्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

तृतीय दिवस (13 अगस्त 2023) :- लगभग 24 घंटे की भक्ति के बाद श्री नाकोडा जी से यात्रा अपने अगले पड़ाव की ओर निकल गयी। अगला पड़ाव था मांडवला स्थित भगवान श्री शांतिनाथ जी का जहाज मंदिर जहां पानी के जहाज के रूप में बना कांच का मंदिर बहुत ही आकार्षक एवं मनमोहक था जिसे देख कर सभी यात्री बहुत ही गदगद और हर्षित हुये। नवकारसी के पश्चात श्री जहाज मंदिर ट्रस्ट द्वारा संघ का बहुमान एवं स्वागत किया गया।

वहां से रवाना होकर सभी यात्री चन्द्रलोक जैन तीर्थ पहुंचे, जहां कृष्ण वर्ण की बनी भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा की अनुपम छवि ने सभी का मन मोह लिया। जिसके बाद कुछ ही दूर स्थित अगला भव्य तीर्थ जोकि लगभग 77 बीघा में बने श्री राजेन्द्र सूरी जैन तीर्थ भांडवपुर पहुंचे जहां की लगभग 1000 वर्ष पुरानी भगवान आदीनाथ की पाषण प्रतिमा जिस पर मोतियां का विलेपन किया गया था अपनी अलग ही छटा बिखेर रही थी। यहां चातुर्मास कर रहे मुनिराज श्री जयरतनविजयजी म.सा. के लंबी धार्मिक चर्चा की गयी।

भांडवपुर से अगला पड़ाव भीनमाल जालोर स्थित विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थ जोकि 72 जिनालय के नाम से प्रसिद्ध है, प्रकृति से भरपूर इस तीर्थ में सभी यात्रियों को भूत, भविष्य एवं वर्तमान की चौबीसी के दर्शन हुए। इस तीर्थ के बारे जितना कहा जाए उतना ही कम है।

भीनमाल से रवाना होकर सायं सभी यात्री एक और विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थ श्री जीरावला पार्श्वनाथ पहुंचे एवं संध्या आरती एवं भक्ति का आनन्द लिया।

चतुर्थ दिवस (14 अगस्त 2023):- अरावली की पहाडियों एवं प्रकृति की गोद में बसा यह तीर्थ मानो एक अलग ही छटा बिखेर रहा है जहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा पर हीरे एवं शुद्ध सोने की अंग रचना एक अलग ही चार चांद लगा रही थी। मौसम एवं प्रकृति साक्षात भगवान के

पाद पक्षालन के लिए वहां आतुर रहते है। तीर्थ की मनोरम छवि और बसावट ने सभी का मन मोह लिया। प्रातःकालीन चैत वंदन एवं नवकारसी लेने के बाद हमारी यात्रा अपने अलगे पड़ाव पर निकली जो था माउंट आबू से थोडा ही दूर प्रकृति की गोद में बसा श्री भैरूतारक धाम।

एक ऐसा धाम जहां बादल अपने में जल भरकर एवं नीचे उतरकर स्वयं भगवान पार्श्वनाथ के प्रक्षालन के लिए मंदिर तक आते है। तीन तरफ से अरावली की पहाडियों से घिरा यह तीर्थ अपने आप में अनुपम एवं चमत्कारी तीर्थ है।

यहां के दर्शनों के पश्चात यात्रा पहुंची सिरोही जिले का भव्याभिव्य विश्व प्रसिद्ध न्यू पावापुरी तीर्थ जिसमें सहस्त्रफण पार्श्वनाथ की अत्यंत मनमोहक एवं चमत्कारी प्रतिमा के साथ-साथ वहां उकेरी गयी 108 झांकीयों में जैन धर्म के प्रर्वतकों एवं आगम के साक्षात दर्शन करने को मिले साथ ही राजस्थान की सबसे बडी गौशाला जिसमें हजारों की संख्या में गोवंश एवं गायों की सेवा करने का मौका भी मिला।

यहां से निकल कर यात्रा अपने अगले गंतव्य की ओर रवाना हुई जो कि था वामनबाड का अति प्राचीन एवं पहाड़ पर स्थित भगवान महावीर का प्राचीन मंदिर जहां भगवान के चरणों के साक्षात दर्शन होते हैं एवं भगवान महावीर का एक और प्रताप वहां देखने को मिला जिसमें बताया गया कि भगवान महावीर के कानों में कील उनकी तपस्या के दौरान इसी स्थान पर ठोकी गयी। तथा भगवान के स्वयं की आवाज से चट्टान में पडी दरार आज भी साक्षात देखी जा सकती हैं। इस प्राचीन मंदिर में मूंगा, स्फटिक, पन्ना पत्थर एवं अष्टधातु से बनी बड़ी-बड़ी प्रतिमाएं कमलासन पर विराजमान थीं। इसी स्थान पर स्वर्ण अक्षरों में जैन धर्म का संपूर्ण आगम ग्रन्थ दिवारों लिखा गया है।

वामनबाड से निकली यह यात्रा फालना स्थित अति प्राचीन स्वर्ण मंदिर पंहुची जहां पूरे मंदिर जी में सोने के काम से की गयी कारीगरी ने सबका मन मोह लिया। शुद्ध सोने से भगवान की आंगी देखकर सभी गदगद हुये।

फालना से यात्रियों ने प्रस्थान किया और सायंकाल आरती के समय विश्व प्रसिद्ध अति प्रचीन 1444 खंभों पर बने श्री रणकपुर मंदिर जी पंहुचे। सामूहिक सायंकालीन आरती एवं भक्ति करने के पश्चात् रात्री विश्राम भी किया।

पंचम दिवस (15 अगस्त 2023):- प्रकृति की गोद में बसे रणकपुर जैन मंदिर में स्नात्र पूजा एवं नवकारसी के पश्चात यात्रा अपने अगले पड़ाव की ओर निकल पड़ी। अगला पड़ाव भगवान महावीर का प्रसिद्ध मंदिर जो कि मूछाला महावीर के नाम से जाना जाता है एवं जिस मंदिर का इतिहास मारवाड़ के महाराणा कुंभा से जुड़ा हुआ है।

यहां से रवाना होकर यात्रा गोडवाड की राजधानी वरकाणा पार्श्वनाथ जैन तीर्थ पहुंची जिस मंदिर की मूर्ति एवं स्थापत्य कला ने सभी का मन मोह लिया। दोपहर के भोजन के पश्चात् यात्रा पाली में स्थित श्री नवलखा जैन मंदिर पहुंचे जो कि पाली मारवाड़ का अति प्राचीन एवं अतिशयकारी तीर्थ है।

पाली शहर में बने इस मंदिर की ख्याती दूर-दूर तक है जहां से दर्शनों का लाभ लेकर यात्रा अपने अंतिम गंतव्य की ओर ब्यावर होते हुए एवं अजमेर स्थित प्रसिद्ध श्री नारेली जैन तीर्थ के दर्शनों के पश्चात् रात्री करीब 11 बजे जयपुर पहुंच कर जय जिनेन्द्र एवं फिर मिलेंगें की भावना लेकर आहुत हुयी।

विशेष:- श्री योगेन्द्र जैन, गौरव जैन, मुकेश जैन, विश्वास जैन, श्रीमती इन्द्रा जैन व पलक जैन आदि संगीतकारों द्वारा बसों में भजनों की प्रस्तुति दी गयी। संपूर्ण यात्रा में मुख्य आकर्षक श्री शशीभूषण जैन, अलवर रहे जिनके द्वारा भक्ति नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गयी। श्रीमती मधु जैन व श्रीमती उषा जैन द्वारा बसों में धार्मिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया तथा श्री अनिल जैन एवं श्री युवराज जैन द्वारा संपूर्ण यात्रा नंगे पैरो से की गयी।

सभी यात्रियों एवं दर्शनार्थियों का आनन्दपूर्वक एवं मंगलमय यात्रा पूर्ण होने पर कोटि-कोटि बधाई एवं शुभकामनाएं।

-श्री जैन पैदल यात्रा संघ, जयपुर
मो.: 7976218225, 9314653717

पुण्य स्मृति में भावभीनी श्रद्धांजलि

तृतीय पुण्य तिथि

स्व. श्री राजेन्द्र कुमार जैन

पूर्व अध्यक्ष, अ.भा.प. जैन महासभा शाखा जयपुर
पूर्व उपाध्यक्ष, अ.भा.प. जैन महासभा

(05.09.1938 - 28.08.2020)

प्रथम पुण्य तिथि

स्व. श्रीमती इन्द्रा जैन

(08.10.1941 - 02.05.2022)

चौदहवीं पुण्य तिथि

स्व. दीपेश जैन

(21.07.1989 - 09.09.2009)

हम सब परिवारजन आपको स्मरण करते हुये सादर पूर्वक नमन करते हैं एवं अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

नरेन्द्र कुमार जैन, *एडवोकेट*-**आभा जैन** *(पुत्र-पुत्रवधु)*
डॉ. दीपाली जैन-डॉ. हिमान्शु जैन *(पौत्री-दामाद)* *एवं* **सुविधि जैन** *(पड़पौत्री)*

ममता जैन-प्रदीप जैन
डॉ. पियुष जैन-डॉ. मेघा जैन
अंकुर जैन, जितेन्द्र जैन
रेखा जैन *(पत्नी स्व. श्री पवन कुमार)*

भजनमाला जैन *(बहन)*
एवं समस्त
आर.के. जैन एसोसियेट्स

निवास : 667, बरकत नगर, नियर वाटर टैंक, टोंक फाटक, जयपुर
मोबाइल : 9352643420, 9772265040

19वीं पुण्य तिथि पर श्रृद्धासुमन

स्व. श्री रघुनन्दन लाल जी जैन

(स्वर्गवास 16.08.2004)

हम सभी परिजन आपको शत-शत नमन एवं
स्मरण करते हुए अश्रुपूरित श्रृद्धापूर्वक श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती प्रेमवती जैन (पत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
डॉ. हर्षचन्द जैन-मिथलेश जैन
विमल कुमार-स्नेहलता जैन
कमल चन्द-अनीता जैन
रूपेश कुमार-श्वेता जैन

पुत्री-दामाद :
राजूल जैन-महेश जी
शीला जैन
विमला जैन
कमला जैन-अशोक जी
सुनीता जैन-रविन्द्र जी
सीमा जैन-सुशील जी

पौत्री-पौत्री दामाद :
रितु जैन-विकास जी
शिल्पा जैन- डॉ. नितिन जी
डॉ. स्वाती जैन-भारत जी
पूजा जैन-डॉ. नरेश जी
उर्वशी जैन-रोहन जी
रेशु जैन-तरूण जी
राशि जैन-विपुल जी

पौत्र-पौत्रवधु :
विशान्क जैन-सोनु जैन
प्रिन्स जैन-अंकिता जैन

पौत्र, पौत्री :
अर्पणा जैन, कनिष्का जैन,
कनिका जैन, उत्प्रेक्षा जैन, परिशी जैन

प्रतिष्ठान :- **अरिहन्त मेडिकल हॉल,** खोह (अलवर) मो. 9660405050
अरिहन्त फार्मा, प्रताप नगर, तिजारा रोड, अलवर मो. 9414016966

निवास : ग्राम पोस्ट खोह, तहसील लक्ष्मणगढ़, जिला अलवर (राज.), मो.: 9414220845, 9929915851

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

D.D. JAIN & CO.

ddjain_000@yahoo.co.in

BROKER & COMMISSION AGENTS :

EMPTY TIN 2, 5, 10 AND 15 LTR IN ALL QUALITY

HDPE JARS, CORROGRATED BOXES • LABLE • MULTI LAYER FILM

CONSULTNAT : OIL INDUSTRIES & PACKING MATERIAL PLANT

BRAND REGISTRATION • PATENT • TRADEMARK • COPYRIGHT

ISO • FSSAI REG. • MSME/SSI REGISTRATION • BARCODE

MANUFACTURERS & SUPPLIER OF :

PREMIX (VITAMIN A&D2) FOR OIL FORTIFICATION
EMPTY PET BOTTLES / JAR, PREFORMS
SEMI & FULLY AUTOMATIC BOTTLE/JAR/TIN FILLING MACHINES
POUCH MACHINE • STRAPPING MACHINE • SHRINK TUNNEL
ALUMINIUM FOIL & INDUCTION WED SEALING MACHINE
PRINTING MACHINE • BATCH CODER • MICRO FILTER
TICKLI AND SPOUT SEALING MACHINE ETC.

PALLIWAL UDYOG

udyogpalliwal16@gmail.com

YOUR'S SERVICE

yourservice99@yahoo.co.in

MANUFACTURERS & SUPPLIER OF :

PLAIN AND PRINTED BOTTLE CAP (AGMARK APPROVED PRINTER)
PVC SHRINK IN ALL SIZES • TICKLI AND SPOUT FOR TIN
STRAPPING ROLL • BOPP TAPE
ALUMINIUM / BLUSTER FOIL AND INDUCTION WED
ALL TYPE OF CAPS

OLD MACHINERY AND PLANT
ELECTRONIC ITEMS
LABOUR CONTRACTOR
CATERER & EVENT ORGANIZER
SERVICE PROVIDER
TRANSPORTER & OTHER SIMILAR SERVICES

MAHESH JAIN & CO.

companymaheshjain@gmail.com

T-22, ALANKAR PLAZA, CENTRAL SPINE
VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR-302023
PHONE : 0141-2232762, 2232766

MAHESH JAIN
+91-9414074476
jaindd2013@gmail.com

KAPIL JAIN
+91-9887093314

Awarded
Edible Oil
Motivator

100% Jain Food
Sr. Citizen special care
Tour Director from India
DUBAI
Departures
Sep/Oct 2023
(05 Days)
JAIN GROUP TOUR
To The City of Gold
STARTING FROM ₹7800 PER PERSON PER DAY
Inclusive - Stay In 4Star Hotel, Daily Breakfast, Lunch, Dinner, Sightseeing, Transfers
Extras-Return Airfare, Visa, Taxes (GST, TCS)
TCS increase from 5% to 20% From 1st October 2023
Dheeraj Jain : +91-9711375610
X-presso
Holidays and Events
Xpresso3d Holidays and Events Pvt. Ltd.
A32, 3rd F, Satya Tower, Sector 19, Dwarka, Delhi
www.xpresso3d.com

S. R. ENTERPRISES

TRANSASIA

Roche

TOSOH

BIOMÉRIEUX

Ortho-Clinical Diagnostics
a Johnson & Johnson company

Abbott

BIO-RAD

SD BIOSENSOR,INC.

Stago
Diagnostics is in our blood.

B-18&19, Jai Jawan Colony Scheme No. 1st, Tonk Road, Jaipur-302018 (Rajasthan)
(M) +91-9829012628, +91-9414076265 E-mail : srindiaentp@yahoo.com

श्री महावीराय नमः

पूज्य पिताजी
स्व. श्री मनोहरलालजी जैन
(रामगढ़)
8 अक्टूबर 1923 - 29 अगस्त 1989

पूज्य माताजी
स्व. श्रीमती गुलाबदेवी जैन
(अलवर)
29 अप्रैल 1929 - 26 मार्च 1999

श्रद्धेय पूज्य पिताजी

स्व. श्री मनोहरलालजी जैन

की पुण्यतिथि 29 अगस्त पर

कोटिशः नमन व श्रद्धा सुमन

आपकी सरल व मृदुभाषी सेवा भावना, धर्म परायणतापूर्ण समाज सेवा - इन प्रेरणादायक चारित्रिक उपलब्धियों को हम आजीवन अपनी स्मृति में - एक आकाशदीप की भांति सदा - पथ प्रदर्शक रूप में संजोए रहेंगे।

हम सब परिवार जन - भगवान वीर प्रभु से आपकी चिर आत्मीय शांति और सद्गति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
सुमत प्रकाश-सुधा जैन *(इंदौर)*
डॉ. विजय प्रकाश-स्व. उमा जैन
रवि प्रकाश-शोभा जैन *(मुंबई)*
ललित-सारिका जैन *(नोएडा)*
डॉ. विपिन-स्नेह जैन *(नोएडा)*
संजय-सपना जैन *(नोएडा)*

प्रपौत्र, प्रपौत्री :
शौर्य, अर्चिशा, पीहू,
आकर्षि, अरिंजय, प्रिषा,
सम्यक, वेदार्थ, आर्जव,
अनिरुद्ध, कबीर, मीरा,
अबीर, आद्या

पौत्र-पौत्रवधू :
डॉ. सिद्धार्थ-डॉ. स्मिता जैन
डॉ. प्रियांक-डॉ. पुनीता जैन *(USA)*
मनीष-सुनैना जैन
अंकुर-स्व. प्रगति जैन
दीप्ति जैन, पुनीत जैन
अंकित-मानसी जैन
अंश, सुरभि जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
स्वाति-अरिल सा
डॉ. आभा-डॉ. आशुतोष सा
संजना-ऋषभ सा
पूर्ति-प्रशांत सा

निवास :
सुमत प्रकाश जैन
'गौतम सदन'
72, अनूप नगर, इंदौर-452018
ललित जैन
टॉवर 1-1604, अरिस्टा सनवर्ल्ड,
सेक्टर 168, नोएडा-201305 (उ.प्र.)
मो.: 9312224833

प्रथम पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्री महेश चंद जी जैन

(स्वर्गवास : 02.08.2022)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

गुणमाला जैन (पत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
अंकुर जैन-ज्योतिबाला जैन
अखिल जैन-प्रीती जैन
पुत्री-पुत्री दामाद :
अंकिता जैन-तरूण जैन
पौत्र, पौत्री, दोहिता, दोहिती :
अंशिका जैन, आदित्य जैन,
वंशिका जैन, सम्यक जैन,
वान्या जैन

भ्राता-भ्रातावधु :
गिरीश चंद जैन-मंजू जैन
पवन जैन-वीना जैन
अजय जैन, अंकेश जैन
बहिन : सुनीता जैन
साला-सलहज :
धर्मचंद जैन-माया जैन
प्रेमचंद जैन-राजेश जैन
महेश चंद जैन-रेखा जैन

भतीजा-भतीजा बहु :
शुभम जैन-गरिमा जैन
भतीजे :
प्रबल जैन, अक्षत जैन
भतीजी : कृति जैन
भतीजी-भतीजी दामाद :
मोनिका जैन-विवेक जी
निकिता जैन-हर्षुल जी
पल्लवी जैन-अक्षत जी

हम भाग्यशाली हैं जो हमें आप जैसे पिता को पाने का सुख मिला
आज आप हमारे बीच नहीं हैं मगर आपकी यादें हमारे दिलों में जिंदा है और हमेशा रहेंगी।

प्रतिष्ठान : न्यू जैन ओटो मोबाइल्स, भरतपुर • श्री नेमीनाथ फाइनेंस मार्ट
निवास : एच एन-1402, मोहन गिरारा, अछनेरा, आगरा

पल्लीवाल जैन समाज के सभी सम्माननीय बंधुओं!

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति जयपुर के तत्वाधान में प्रत्येक वर्ष पल्लीवाल जैन समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करती है। इस वर्ष भी 2023 में कक्षा 10वीं व 12वीं में समाज के उन सभी बच्चों को, जिन्होंने 95% या इससे अधिक अंक प्राप्त किये हैं, प्रशंसा के पात्र हैं। कक्षा 10वीं के विद्यार्थी को प्रोत्साहित राशि रु. 5,000/- व कक्षा 12वीं के विद्यार्थी को प्रोत्साहित राशि रु. 11,000/- प्रदान की जाती है। समाज के अभिभावकों से निवेदन है कि अपने बच्चों की मार्कशीट की फोटोकॉपी सेल्फ अटेस्टेड एवं एक कैंसल चैक (माता या पिता) के साथ नीचे लिखे पते पर प्रेषित करें :-

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति
दांतिया हाउस, सी-22, इंदपुरी,
लाल कोठी, जयपुर-302016

दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 15.09.2023 है।

-भागचंद जैन, सचिव
पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति जयपुर

अ.भा.प.जैन महासभा के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाज सेवी श्री शिखरचंद जी जैन आगरा का पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति की ओर से आर.ए.एस. क्लब के सभागार में भव्य जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर समाज के समाज सेवी माननीय श्री मुन्नालाल जी जैन आगरा, डॉ. ताराचंद जी जैन जयपुर, श्री गूजरमल जी जैन, आगरा से पधारे श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन, पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति के अध्यक्ष माननीय श्री आर.सी. जैन, महामंत्री श्री भागचंद जी जैन, उपाध्यक्ष श्री देवेन्द्र जी जैन, श्री ओम प्रकाश जैन एडवोकेट, सयुक्त मंत्री श्री अशोक कुमार जैन एल.आई.सी., कोषाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र प्रकाश जैन, सुरभि जैन तथा श्री अशोक कुमार जैन एवं जयपुर के अनेक पल्लीवाल जैन बंधु इस अवसर पर उपस्थित रहे। समाज सेवी श्री शिखर चंद जी जैन सिंघई का यह 80वां जन्मदिन था, जिसे जयपुर के पल्लीवाल जैन समाज ने बड़ी भव्यता के साथ मनाया।

सूचना

अ.भा.प.जैन महासभा की सभी शाखाओं के अध्यक्ष एवं मंत्री महोदय, आपकी शाखा के चुनाव हुए 2 वर्ष या अधिक का समय हो गया है तो विधान के आठवें अध्याय के नियम 39 के उप नियम 6 के अनुसार अध्यक्ष/मंत्री/अर्थमंत्री एवं सदस्यों के चुनाव शीघ्र करा कर सूचित करें।

2 अक्टूबर को अपनी शाखा में वार्षिक गोठ/मिलन समारोह आयोजित करने का तय करें और पत्रिका को सूचित करें।

नवीन केंद्रीय कार्यकारिणी ने 7 जनवरी 2024 रविवार को प्रतिनिधि सम्मेलन एवं परिचय सम्मेलन करने का तय किया है, निवेदन है अपनी शाखा का उक्त कार्यक्रम हेतु प्रस्ताव भेजें।

31 मार्च 2023 तक शाखा का लेखा-जोखा अर्थमंत्री श्री भागचंद जी को शीघ्र भेजने का श्रम करें।

15 दिसम्बर तक अपनी वार्षिक प्रगति रिपोर्ट भिजवाऐं, जिसमें 2 अक्टूबर का वार्षिक सामूहिक गोठ एवं अन्य कार्य जो आपकी शाखा द्वारा किए गए हों, का विवरण मय फोटो के दें। प्रतिनिधि सम्मेलन में बेस्ट शाखा के अवार्ड से 3 शाखाओं को सम्मानित किया जाएगा।

महासभा की सदस्यता एवं पत्रिका की सदस्यता बढ़ाने में योगदान देते रहें।

-महेश जैन, महामंत्री, महासभा

दिनांक 16.07.2023 को श्री पल्लीवाल जैन सोशल ग्रुप की मीटिंग सम्पन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से निम्न कार्यकारिणी का गठन किया गया :-

अध्यक्ष- श्री श्रीचन्द जैन, ***उपाध्यक्ष***- श्री चन्द्रशेखर जैन (महारानी फार्म), ***मंत्री***- श्री प्रदीप कुमार जैन (मण्डावर वाले), ***कोषाध्यक्ष***- श्री अनिल कुमार जैन (वैशाली नगर), ***सहमंत्री***- श्री अजय कुमार जैन (दादूदयाल नगर), ***संगठन मंत्री***- श्री गगन जैन (केशव नगर), ***प्रचार मंत्री***- श्री अरविन्द कुमार जैन (राजश्री फैन)

शाखा जयपुर

अ.भा.प.जैन महासभा, शाखा जयपुर द्वारा 25.06.23 को नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन पल्लीवाल जैन भवन, सेक्टर नं. 12, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर में आयोजित किया गया।

शिविर का उद्घाटन वयोवृद्ध श्री सुमेरू चंद जी जैन (रि. डी.ई.ओ.) द्वारा किया गया। तत्पश्चात उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं चिकित्सकों द्वारा द्वीप प्रज्वलन व नवकार का जाप किया गया।

शिविर में इंडस हॉस्पिटल जयपुर के हृदय रोग, अस्थि एवं जोड़ रोग एवं स्त्री प्रसूति रोग विशेषज्ञों तथा होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. शिवानी सैनी व भौतिक चिकित्सक डॉ. विवेक जैन ने अपनी सेवाएं दी।

शिविर में करीब 100 से अधिक व्यक्तियों ने परामर्श लिया एवं नि:शुल्क ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ईसीजी जांच भी कराई।

शिविर समापन पर राजेन्द्र प्रसाद जैन (अध्यक्ष), मनोज कुमार जैन (मंत्री), अनिल कुमार जैन (अर्थमंत्री) एवं अन्य पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा चिकित्सकों को माला पहना कर स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

****

राष्ट्रीय पर्व स्वाधीनता दिवस की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर अ.भा.प.जैन महासभा, शाखा जयपुर के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन द्वारा 15.08.2023 को प्रात: 9.15 बजे श्री पल्लीवाल जैन भवन, जयपुर पर झंडारोहण किया गया एवं सभी को 77वें स्वतंत्रता दिवस की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर शाखा कार्यकारिणी के अलावा केंद्रीय विवाह संयोजक श्री पारस मल जैन, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री अनिल कुमार जैन, महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती रमा जैन, पल्लीवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष श्री अमित जैन, मंत्री श्री नीरज जैन तथा समाज के अन्य गणमान्य लोग श्री अशोक कुमार जैन, श्री स्वतंत्र कुमार जैन, श्री राजेन्द्र कुमार जैन, श्री धर्मचंद जैन रि. जिला न्यायाधीश, श्री चंद्रप्रकाश जैन अधिशाषी अभियंता, श्री विमल कुमार जैन भी उपस्थित हुए।

ज्ञान की प्यास

एक गुरु के दो शिष्य थे। एक पढ़ने में तेज था और दूसरा फिसड्डी। पहला शिष्य जहाँ भी जाता, उसका सभी जगह सम्मान होता, जबकि दूसरे को कहीं भी सम्मान नहीं मिलता था।

एक दिन फिसड्डी शिष्य गुरुजी के पास गया और कहने लगा- गुरुजी! मैं तो इस लड़के से पहले आपके पास आया परन्तु आपने इसे मुझे ज्यादा शिक्षा क्यों दी।

गुरुजी कुछ देर मौन रहने के बाद बोले- मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं। एक दिन एक राहगीर दूसरे शहर जा रहा था। वह चलते-चलते बहुत थक गया था। उसे बहुत तेज प्यास लगी थी। रास्ते में उसने एक कुंआ देखा। वहां बाल्टी तो थी, पर रस्सी नहीं थी। अत: वह आगे बढ़ गया। कुछ देर बाद दूसरा राहगीर आया, वह भी बहुत प्यासा था, परन्तु उसने देखा कि वहाँ सिर्फ बाल्टी है तो उसने इधर-उधर नजर दौड़ायी। पास में ही लम्बी घास थी तो उसने घास उखाड़ी और उसे बटकर रस्सी बनायी। थोड़ी ही देर में लम्बी रस्सी तैयार हो गयी। उसने रस्सी की सहायता से बाल्टी कुएं में डालकर पानी निकाला और अपनी प्यास बुझायी। कहानी सुनाकर गुरु ने शिष्य से पूछा- अच्छा बताओ, तेज प्यास किसे लगी थी।

शिष्य बोला- दूसरी राहगीर को, क्योंकि उसने प्यास बुझाने के लिए परिश्रम किया। तब गुरु ने शिष्य को समझाते हुए कहा- बस! यही बात है। तुम्हारे सहपाठी को भी ज्ञान की तेज प्यास है, जो वह मेहनत करके पढ़ाई से बुझाता है। तुम्हें ज्ञान की प्यास नहीं है।

शिष्य अब निरूत्तर हो गया। उसने गुरु को प्रणाम किया और अपनी पढ़ाई में पूरे मनोयोग से जुट गया।

घर का मूल्यांकन

परिवार एक ईकाई के रूप में तथा समाज का विभिन्न अंग है। रचनात्मक क्रियाओं के आधार पर घर का मुल्यांकन होता है। जन्म जमान्तर से घर को संजोना, सुनहरे सपनों को साकार करना, परम्परागत क्रिया कलापों की खुशियों के माध्यम से माँ एक मकान को घर के आँचल में बदल देती हैं। इसी घर में खिलते हैं अनेक प्रकार के फूल! इन्हीं पुष्पों से बिखरती है अनेक प्रकार की खुशबू जैसी खुशबू वैसी महक।

पिता एक सूरज की तरह होता है, गरम जरूर है, अगर ना हो तो घर में अंधेरा छा जाता है। माँ चन्द्रमा है जो अपनी शीतलता की ममता से घर को महका देती है। दोनों संस्कार और संस्कृति के रस का प्याला पिलाते हैं। कहते हैं कड़ी धूप में बाप जलता है और तपते चूल्हे पर माँ जलती है, तब कहीं जाकर औलाद पनपती है। माँ एक ऐसा दीपक है जो घर के हर कोने को उज्जवल करती है। माता-पिता का आर्शिवाद हजारों आपदाओं को टाल देता है।

एक पिता ने अपने पुत्र के जन्म से लेकर शादी तक के समस्त क्रिया-कलापों के असंख्य फोटो बनवाये! वहाँ पर अन्य व्यक्ति पूछने लगे एक ही बच्चे के इतने फोटो! फोटो क्या बच्चे की जीवन रेखा थी। उत्तर मिला ये चित्र ही मेरा भविष्य है तथा बुढ़ापे का टोनिक है। माता-पिता के कार्यों का दर्पण है। ये ही हमारे उज्जवल भविष्य की रूप रेखा है ये चित्रों के दर्पण माता-पिता के चेहरों को खिल-खिलाते हैं या नहीं। ये ही जीवन की अनुभूति है।

शास्त्रों में चार प्रकार के पुत्र बतलाए गये हैं- (1) अभिजात (2) अनुजात (3) अवजात (4) कुलांगार

1. अतिजात

वह है जो अपने पूर्वजों की कीर्ति को बढ़ाए। जो अपने घर के गौरव में चार चाँद लगाए, जो अपने आचरण से कुल के घर को महिमा मण्डल करें। ऐसे बच्चे जो विरासत में मिलता है उसे बढ़ा लेते हैं। संस्कृति और संस्कारों को सुरक्षित रखते है, वे उत्तम पुत्र कहलाते हैं। ऐसे पुत्र थे राम और लक्ष्मण जिन्होंने अपने पिता की प्रतिष्ठा में सब कुछ दाँव पर लगा दिया। अपने पिता के के प्रण को पूरा करने के लिए वनवास भी स्वीकार कर लिया। ये आदर्श घर कहलाते हैं।

2. अनुजात

ये अपने घर की कुल की मर्यादा बढ़ाते भले ही नहीं है पर घटाते भी नहीं हैं। माता-पिता द्वारा जितना संस्कृति एवं संस्कार मिला है उसे सुरक्षित रखते है। अपनी संस्कृति में चार चाँद नहीं लगाते। पर किसी भी बात का धब्बे भी नहीं लगाते। कुल की कीर्ति के महल पर शिखर नहीं बना सकते तो कम से कम नींव को नहीं हिलाते। ऐसे परिवार सामान्य स्तरीय परिवार कहलाते हैं।

3. अवजात पुत्र

ये अपनी कुल की कीर्ति को कलंकित करते हैं। माता-पिता के द्वारा जो भी मिला है वह नष्ट कर देते हैं। ये महल की नींव तक को हिला देते हैं तथा संस्कार और संस्कृति को धाराशाही कर देते हैं। माता-पिता के वचनों का अवेज्ञा करते हैं। कुल के गौरव पर तनिक ध्यान नहीं देते, उन्हें पेट के कीड़े के अधिक और क्या कहा जाय, सदैव दुख के भागी होते हैं।

4. कुलांगार

शास्त्रों में ऐसे बच्चों की गिनती निकृष्ट श्रेणी में आती है। सूखे पत्ते हवा से तितर-बितर होकर कजोडे के रूप में फैलते है उसी प्रकार कुलांगार भी भार के रूप में भटकते रहते हैं। ये घर के संस्कार और संस्कृति को नष्ट-भ्रष्ट कर देते हैं। ऐसे बच्चे अपनी परम्परागत रिवाजों को छोड़कर औरत के परिवार में घुस जाते हैं। इन्हें अर्श से फर्श पर आने में पल भर का समय नहीं लगता। ये अभाग्यशाली जीव होते हैं। अपने पंखों को धरा पर रिगड़ते रहते हैं। हमेशा तनाव-चिन्ताग्रस्त जीवन यापन करते हैं। इनका न ही कोई वर्तमान है न भविष्य का ज्ञान। ऐसे बच्चे दर दर भटकते हैं। न घर के न ही घाट के। ऐसे लोग बरसाती गिआई, जहरीले कीड़े, मकोड़े, तलैये आदि के रूप में उत्पन्न होते हैं।

*-**छगनलाल जैन,** रि. अध्यापक (हरसाना)*
3/308, शालीमार, अलवर

शोक संवेदना

श्री दुर्गाप्रसाद जी जैन (भनोखर वाले) पुत्र स्व. श्री कपूरचन्द जी जैन हाल निवासी 121/6, मानसरोवर, जयपुर का स्वर्गवास दि. 10.7.2023 को हो गया है। आप धार्मिक, सामाजिक एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। अ.भा.प. जैन महासभा वीर प्रभु से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए संवेदना प्रकट करती है।

विधवा सहायता

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन एवं श्री पंकज जी जैन,** दिल्ली जैन पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-77 ने विधवा सहायता हेतु रु. 11,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7331)*

★ **गरिमा पालीवाल जी, जगदीश जी,** मुम्बई ने विधवा सहायता हेतु रु. 24,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7330)*

★ **श्री अशोक कुमार जी, गौरव जी जैन,** हिण्डोन ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7332)*

★ **अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा शाखा सवाईमाधोपुर,** हिण्डोन ने विधवा सहायता हेतु रु. 11,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7333)*

★ **श्री वीरेन्द्र जी,** ने विधवा सहायता हेतु रु. 11,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7334)*

★ **श्रीमती रेनू जैन** पुत्री स्व. श्री दुर्गा प्रसाद जी जैन (भनोखर वाले), 121/6, विजय पथ, मानसरोवर, जयपुर ने विधवा सहायता हेतु रु. 24,000/- भेंट किये।

पत्रिका सहायता

★ **श्रीमती रेनू जैन** पुत्री स्व. श्री दुर्गा प्रसाद जी जैन (भनोखर वाले), 121/6, विजय पथ, मानसरोवर, जयपुर ने पत्रिका सहायता हेतु रु. 3,100/- भेंट किये। *(र.सं. डी-3046)*

महासभा सदस्यता

1. Kajal Jain D/o Sh. Paras Jain, Near Jain Mandir Lohiya Bazar, Morena-476001 (M.P.) *(R.No.-7691)*
2. Sh. Paras Jain S/o Sh. Nemi Chandra Jain, Near Jain Mandir Lohiya Bazar, Morena-476001 (M.P.) *(R.No.-7691)*
3. Sh. Prateek Jain S/o Sh. Paras Jain, Near Jain Mandir Lohiya Bazar, Morena-476001 (M.P.) *(R.No.-7691)*
4. Sh. Samaksh Jain S/o Sh. Santosh Kumar Jain, Near Jain Mandir Lohiya Bazar, Morena-476001 (M.P.) *(R.No.-7691)*
5. Smt. Seema Jain W/o Sh. Santosh Kumar Jain, Near Jain Mandir Lohiya Bazar, Morena-476001 (M.P.) *(R.No.-7691)*
6. Smt. Kalpana Jain W/o Sh. Paras Kumar Jain, Near Jain Mandir Lohiya Bazar, Morena-476001 (M.P.) *(R.No.-7691)*

(र.सं. 7335)

★ **श्रीमती अंजू जी जैन,** मुरैना ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7336)*

★ **श्री अमीर चंद जी जैन** (सेनि. आर.ए.एस.) गंगापुर सिटी वाले, एस.एफ.एस. मानसरोवर, जयपुर ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7337)*

★ **श्री प्रतीक कुमार जी जैन** पुत्र श्री गिरीश कुमार जैन, 6/338, एस.एफ.एस. मानसरोवर, जयपुर ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7338)*

★ **श्री प्रियांशु जी जैन** पुत्र श्री गिरीश कुमार जैन, 6/338, एस.एफ.एस. मानसरोवर, जयपुर ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- भेंट किये। *(र.सं. 7339)*

बधाई

श्री अंकित जैन (परबैनी वाले) आर.पी.एस. कोटा शहर को पुलिस महानिदेशक ने प्रशस्ति डिस्क द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित किया। अंकित जी ने कोटा के कोचिंग छात्रा का अनसुलझा मर्डर केस जल्दी सुलझाने एवं भारत जोड़ो यात्रा में अच्छी ड्यूटी के लिए यह अवार्ड प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया है।

अर्पित जैन पुत्र डॉ. मनोज जैन व सुपौत्र श्री महावीर प्रसाद जी जैन (हिण्डौन सिटी) ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा से ताइक्वांडो में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अनेकों पदक प्राप्त करने पर खेल जगत की विशिष्ट प्रतिभा के रुप में 77वें स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तरीय समारोह (करौली) में जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में राजस्थान राज्य सरकार कैबिनेट मंत्री श्री रमेश चंद मीणा द्वारा सम्मानित किया।

अ.भा.प. जैन महासभा आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

परमपूज्य पिताजी व माताजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन

स्व. श्री आनन्द चन्द जी जैन
पुण्य तिथि 10.08.2011

स्व. श्रीमती कैलाश देवी जी जैन
पुण्य तिथि 17.04.2009

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्ग दर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत् शत् नमन करते हुये अश्रुपूरित श्रद्धान्जलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
शिखर चन्द जैन-राजरानी जैन
मुकेश चन्द जैन-मधु जैन
स्व. दिनेश चन्द जैन-कविता जैन
भूपेन्द्र चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
दीपक जैन-मेघा जैन

पौत्र, पौत्री :
हिमांशु जैन, दीपिका जैन, आरती जैन

पुत्री-दामाद :
स्व. श्रीमती तिलोत्मा जैन-स्व. श्री महेश चन्द जैन
अर्चना जैन-शीतल प्रसाद जैन
स्व. वन्दना जैन-विमल कुमार जैन

दोहते, दोहति :
अमित, सुमित, प्रदीप,
सन्दीप, अंकुर, अभिषेक,
सविता जैन

निवास :
ई-11, रामनगर विस्तार, हवा सडक, सोडाला, जयपुर
मोबाइल : 9414539630, 9460709025

सप्तम् पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

जन्मतिथि :
10-01-1936

महाप्रयाण :
15-08-2016

स्व. श्री हरिश चन्द्र जी जैन (बाऊजी)

हमारे लिए अमिट प्रेरणा और महान आदर्श का मार्ग प्रशस्त कर
स्वयं सदैव के लिए ब्रह्मलीन हो गये।
हम उन्हें श्रृद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती विमला जैन (धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
डॉ. विपिन-डॉ. अंशु
डॉ. विनय-डॉ. रजनी
विनीष-मंजू

दोहिता, पौत्री, पौत्र :
अनिकेत, परिधी,
अंकिता, रक्षिता,
यशिता, प्राज्ञ, प्रांजल

पुत्री-दामाद :
वीणा-सुधीर जैन
पौत्री-पौत्री दामाद :
नंदिता-शशांक

निवास

2/2, मुक्ता प्रसाद नगर, बीकानेर, राजस्थान
फोन : 9414055208, 0151-2252430

हमारा अपना एक घर हो सबका अपना
प्लॉट एवं विला उपलब्ध
navkar वाटिका कुबेर
अपनी जमीन अपनी छत
1 एवं 2.5 बीएचके घर, किफायती दर पर
RERA REGISTRATION NO.: RAJ/P/2019/961
मुख्यमंत्री जन आवास योजना के प्रावधानों के अन्तर्गत
खेरली की प्रथम गवर्नमेंट अप्रूव्ड आवासीय योजना
NAVKAR VATIKA KUBER
विकासकर्ता :
नवकार प्राईम डेवलपर्स प्रा. लि.
नवकार वाटिका, पेपर मिल, खेरली, जिला-अलवर (राज.)
Follow us on:
navkar.vatika
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें +91 7891126673, +91 9414515121
प्रतिष्ठान :
अमित चन्द्रा टेक्सटाइल प्रा. लि., अलवर
नवकार प्राइम डवलपर प्रा. लि., अलवर
नवकार साड़ीज, अलवर
नवकार वाटिका, खेरली
नवकार ट्रेडिंग कम्पनी, अलवर
शिखा टेक्सटाइल एजेंसी, अलवर
अलवर सॉल्वेक्स, MIA, अलवर
मै. पवन कुमार जैन, MIA, अलवर
निवास स्थान :- 1/544 काला कुआं, हाउसिंग बोर्ड, अलवर
पवन जैन (चौधरी)
पार्षद, नगर पालिका खेरली
मो. : 9414020800

द्वितीय पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती जावत्री देवी जी जैन

(धर्मपत्नी श्री किशन चन्द जैन)

(स्वर्गवास : 03.09.2021)

छाया मिले आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो।
जीवन के हर मोड़ पर सदा आपका आशीर्वाद हो।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
संजय जैन-सुधा
दिलीप जैन-बबीता
प्रदीप जैन-शिखा
कुलदीप जैन-प्रीति

जेठ :
प्रकाश चन्द, प्रेमचन्द

भतीजे :
सुरेन्द्र, राजेन्द्र,
लोकेश, मनोज

पति : किशन चन्द जैन (पैट्रोल पम्प वाले)
लक्ष्मणगढ़ राजगढ़

पौत्र, पौत्री :
रिषभ, आदित्य, अभिषेक,
हर्षित, पूरव, अक्षत, अर्पित,
वैशाली, रियांशी, फैयरी

प्रतिष्ठान :
मै. प्रेमचन्द किशनचन्द जैन
मै. आदिनाथ मोटर्स
मै. आदिनाथ आयशर
मै. आदिनाथ डिस्ट्रीब्यूटर

पुत्री-दामाद :
रजनी-कैलाश चन्द जैन

नवासा-नवासावधु : दिपेश-मिली

नवासी-दामाद :
अंकिता-तुषार जैन

पड़नवासी :
इनाया

पीहर पक्ष :
किशन चन्द
नरेन्द्र कुमार
धीरज कुमार

निवास
लाल डिग्गी का चौराया, अलवर, मो.: 9414293193
2/542, काला कुआं, अलवर, मो.: 9414427593

तृतीय पुण्य तिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अवतरण :
06.08.1946

स्वर्गारोहण :
29.08.2020

स्व. श्रीमती शांति देवी जी जैन

रहने को इस दुनिया में कोई आता नहीं !
जिस तरह गए तुम वैसे कोई जाता नहीं !!

हम सब परिजन आपके प्रेरणादायक जीवन व आदर्शों को
हृदयस्थ रखते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं

श्रद्धावनत

ओम प्रकाश जैन (पति)

पुत्र-पुत्रवधु :
निखिलेश जैन-वंदना जैन
पौत्र, पौत्री :
निखार जैन, मेघा जैन, निष्कर्ष जैन
एवं समस्त बडेरिया परिवार

जेठ-जेठानी :
स्व. शिवराम जैन-माया जैन
देवर-देवरानी :
भोजराज जैन-मंजु जैन
पुत्री-दामाद :
अन्तेश जैन-गजेन्द्र कुमार जैन
भारती जैन-लोकेश जैन
वन्दना जैन-स्व. जितेंद्र जैन

भाई-भाभी :
स्व. अनूप चंद जैन-लक्ष्मी जैन
स्व. निर्मल चंद जैन-विमला जैन
स्व. जगदीश चंद जैन-स्व. प्रमिला जैन
स्व. प्रमोद कुमार जैन-मधु जैन
विनोद कुमार जैन-ममता जैन
एवं समस्त सलावदिया परिवार

निवास

58/129सी/3/3, अयोध्या कुंज-ए, अविनाश फर्नीचर्स,
अर्जुन नगर, आगरा-282001, मो.: 9410876551, 7906054491

तृतीय पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन

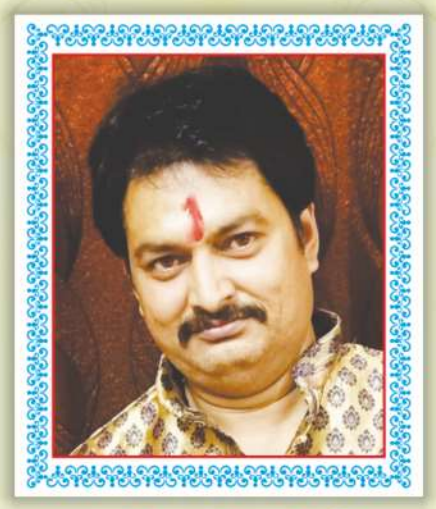

स्व. श्री सुधीर जी जैन

जन्मतिथि : 06.10.1972 *स्वर्गवास :* 03.09.2020

काश वो पल वापस मिल जाते मुझे।
जब उनकी पुकार बुलाती थी हमें, दौड़े चले आते थे हम।
आज बैठे हैं गुमशुम से किसी कोने में हम।

यादों की बारात आती है, जब रात आती है।
फिर आंखों में मेरी, आंसू ले आती है।

श्रद्धावनत

नीलम जैन *(पत्नी)*

अर्पित जैन *(पुत्र)* मुस्कान जैन *(पुत्री)*

हम सब परिजन आपके प्रेरणादायक जीवन व आदर्शों को हृदयस्थ रखते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

प्रतिष्ठान :

मुस्कान उद्योग

Opp. UPSIDC, K.K. Nagar, Foundary Nagar, Hathras Road, Agra

निवास

34/5 KA बलकेश्वर महादेव मंदिर के पीछे, अवधपुरी, गीता नगर, आगरा

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **शीनू जैन** पुत्री श्री राजकुमार जैन, जन्मतिथि- 13.04.1996 (प्रात: 10 बजे, जयपुर), कद- 5'-1'', रंग सांवला, शिक्षा- बी.कॉम., एम.कॉम., एम.बी.ए. (फाइनेंस), जॉब- वर्किंग इन एडमिन डिपाटमेंट, नीरजा मोदी स्कूल, जयपुर, गोत्र : स्वयं- कश्मीरिया, मामा- गंगवाल, संपर्क- 91/40, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर-302020, मो.: 9352230006, 8078635039, ईमेल- jainrajkumar807@gmail.com *(जून)*

★ **चित्राक्षी जैन** पुत्री श्री पदम चंद जैन, जन्मतिथि- 15.09.1992 (प्रात: 3:15 बजे, अलवर), कद- 5'-6'', शिक्षा- एम.टेक. (सी.एस.), गौत्र : स्वयं- अठवरसिया, मामा- चौधरी, सम्पर्क : 2-क-292, शिवाजी पार्क, अलवर (राज.), मो.: 9413048598 *(जून)*

★ **Neha Jain** D/o Sh. Padam Jain, DoB 10.8.1993 (at 5:20 am, Morar Gwalior), Height 5'-3", Fair Color and Smart, Education- M.Com., B.Ed., CPCT, PGDCA (Computer Diploma), Gotra : Self-Chombra, Mama- Slawdiya, Contact : D-3, Hariom Colony, 7 No. Chauraha, Morar, Gwalior (M.P.), Mob.: 8109962448, 8962208384 *(June)*

★ **Priyanka Jain** (Divorce, Manglik) D/o Shri Saral Kumar Jain, DoB 06.08.1985, Height- 5 ft., Fair Complexion, Education- M.A. (Psychology), Gotra : Jewaria, Contact : Jain Street, Chhippite, Near Indhare Mani Vaidhya, Aligarh, Mob.: 6395288036, 9219564451, Email : aligarhanishjain3gmail.com *(June)*

★ **Anushka Jain** D/o Sh. Mukesh Kumar Jain, DoB 23.11.1996 (at 7:07 AM, Alwar), Height- 5'-5", Eduaction- Pursuing CA (Final), B.Com., Occupation- Currently Working with EY Global Delivery Service India LLP., Gotra : Self-Choudhary, Mama- Dadoriya, Contact : 1/544, Kala Kuan Housing Board, Aravali Vihar, Alwar-301001, Mob.: 94142-92800, Email : navkar38@rediffmail.com *(June)*

★ **Shradha Jain** D/o Late Sh. Ashok Jain, DoB 23.05.1994 (at 00:30 AM, Alwar), Education- M.Sc., B.Ed., Pursuing MBA, Occupation- Currently Teaching in Mount Litera Zee School, Gotra : Self-Athvarsiya, Mama- Rajoriya, Contact : A-46, Arya Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9530243608, 9460309548 *(June)*

★ **Antima Jain** D/o Sh. Narendra Jain, DoB 09.04.1995 (at 8:44 pm, Alwar), Height- 5'-1", Education- B.Tech (JECRE, Jaipur), Occupation- Auditor, Delhi (Central Govt.), Gotra : Self-Lohkirodiya, Mama- Baderiya, Contact : D/4, Ambedkar Nagar, Alwar, Mob.: 977250505, 9414499783 *(June)*

★ **Megha Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 02.04.1996 (at 2:20 pm, Beawar), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education- B.Tech (CS) Ajmer, Occupation- Working in IT Company (Techuz InfoWeb Pvt Ltd., Ahmedabad), Package- 3.5 LPA, Contact : Sh. Sunil Kumar Jain, Saras Dugdh Dairy, Raniwara, Dist. Jalore, Mob.: 9460960622, 9001831835 *(June)*

★ **Soniya Jain** (Divorcee) D/o Late Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 02.11.1990 (at 08:20 AM, Mandawar, Dausa), Height 5'-3", Education- BPED, MA (Sanskrit, Political Science), Working- Govt. Physical Teacher in Alwar, Preference- Only Alwar City, Gotra : Self- Bahttariya, Mama- Digamber Jain, Contact : Smt. Sushama Jain, HB /137, Bajrang Vihar Colony, Mahwa, Dausa, Mob.: 9680539915, 8824995555 *(June)*

★ **Kirti Jain** D/o Sh. Santosh Kumar Jain, DoB 20.10.1997 (at New Delhi), Height- 5 ft., Fair Colour, Education- M.Com., Job- Junior Associate (Clerk) in SBI Bank Delhi, Salary- 50,000 Per Month, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Borangdagiya, Contact : Vishkarma Colony, Praladpur, New Delhi, Mob.: 8851597897, 9718388983 *(June)*

★ **Diksha Jain** D/o Late Sh. Yogesh Jain, DoB 28.09.1994 (at 10:45 am, Jaipur), Height- 5'-3", Fair Complexion, Sober, Education- B.Com.,

M.B.A from Rapim Jaipur, Working in Akeo Software Solutions Jaipur as a HR Business Partner, Package- 7.20 LPA, Gotra : Self- Danduria, Mama- Barwasiya, Contact : Anita Jain, 86, Magan Villa, Shree Vihar Colony, JLN Marg, Jaipur-302018, Mob.: 9829134926, 8560826019, 9828058599 *(June)*

★ **Nisha Jain** D/o Sh. Raj Kumar Jain, DoB 04.01.1996 (at Alwar), Height- 5'-4", Fair Colour, Education- M.Sc., Chemistry (2017) , B.Ed (2019), Current Work- Junior Assistant at GSSS Peepalkhera, Kathumar From July 2020, Gotra : Self- Bhadkoliya, Mama- Ledodiya, Contact : Kajodi Mohalla, Jain Colony, Ward No. 5, Kherli - 321606, Mob.: 9414793587, 7014427918, Email : nishajaina82@gmail.com *(June)*

★ **Gargi Jain** D/o Late Sh. Amar Chand Jain, DoB 27.09.1995 (at 06.15 pm., Jaipur), Height- 5'-2", Education- B.Com., M.Com., Occupation- Asstt. Statisticial Officer (R.P.S, c.), Gotra : Self- Ambiya, Mama- Chourbambar, Contact : E-9, Kiran Vihar, Triverni Nagar, Jaipur, Mob.: 7073066521 *(Aug.)*

★ **Ojasvi Jain** (Manglik) D/o Sh. Pradeep Jain, DoB 29.10.1996 (at 02:55 am), Height- 5'-5", Education- M.Com (Account & Law), Ph.D (Pursuing), NET qualified, Gotra : Self- Kher, Mana- Athvarsiya, Contact : Jain Gali, Sikandra, Agra, Mob.: 9568389697, 9027511025 *(Aug.)*

★ **CA Surbhi Jain** D/o Sh. Uttam Chand Jain, DoB 21.01.1996 (at 12:30 am, Morena), Height- 5 Ft., Fair Complexion, Education- Chartered Accountant (CA), B.Com, LLB (Pursuing), Occupation- Working as A Credit Manager in ICICI Bank Ltd., Gotra : Self- Banjaare, Mama- Chandpuria, Contact : AB Road, Banmore, Dist. Morena, Mob.: 9691454590, 7000016910 *(Aug.)*

★ **Neha Jain** D/o Sh. Praveen Kumar Jain, DoB 22.12.1996 (at Hindaun City, Karauli), Height- 5'-3", Education- B.Com, M.Com, DELED, Gotra : Chorbambar, Mama- Kher, Contact : Damp Road, Sabji Mandi, Hindaun City, Karauli-322230, Mob.: 8058304486, 7300142004 *(Aug.)*

★ **Nandita Jain** D/o Sh. Nalin Kotia, DoB 20.08.1999 (at 11:15 AM, Jaipur), Height- 5'-1", Education- M.B.A., Banasthali Vidyapith 2022, B.Com, Delhi University 2020, Job- Relationship Manager, ICICI Jaipur, Gotra : Kotia, Mama- Maimuda, Contact : 9868415507, 7011879482 *(Aug.)*

★ **Yashika Jain** D/o Yogesh Kr. Jain, DoB 01.07.1996 (at 7:13pm), Height- 5'-3", Fair Color, Education- B.Com, M.Com, MBA, Occupation- Presently Working with AU Small Bank Ltd. (Raj.) as a Credit Manager, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Choudhary, Contact : Near Jain Mandir, Main Market, Ramgarh (Alwar) Raj.-301026, Mob.: 9602478710 *(Aug.)*

★ **Sandhya Jain** (Manglik) D/o Sh. Manoj Kumar Jain, DoB 28.11.1997 (at 06:55 pm, Alwar), Height- 5'-2", Education- B.Tech (ECE), M.Tech. (VLSI), Profession- Duty Logistics Officer in Genpact India Pvt. Ltd. Jaipur, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Kher, Contact : Near Jain Temple, Ramgarh, Dist. Alwar-301026, Mob.: 9413066719 *(Aug.)*

★ **Neha Jain** D/o Sh. Mohitash Jain, DoB 03.01.2000 (at 12:25 am, Agra), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education- M.Sc. (Final Year), Gotra : Self- Khair, Mama- Janutharia, Contact : H.No. 537/7, Avas Vikas Colony, Bodla, Sikandra, Agra, Mob.: 9837314626, 9358980224 *(Aug.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **नमन जैन** पुत्र श्री राजकुमार जैन, जन्मतिथि- 29.05.1993 (रात्रि 8:54, जयपुर), कद- 5'-9'', रंग सांवला, शिक्षा- बी.कॉम., व्यवसाय- स्वयं का बिजनेस, गोत्र : स्वयं- कश्मीरिया, मामा- गंगवाल, संपर्क : 91/40, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर-302020, मो.: 9352230006, ईमेल : jainrajkumar807@gmail.com *(जून)*

★ **सागर जैन** पुत्र श्री आदिराज जैन, जन्मतिथि 14.01.1992 (रात्रि 10:59), कद 5'-8'', शिक्षा-ग्रेजुएट (बी.ए.), व्यवसाय- स्वयं का बिजनेस, गोत्र : स्वयं- कालोनिया, मामा- गर्ग, सम्पर्क : 9/6 ए, जैन मौहल्ला, मोदी खाना, अलीगढ़-202001 (उत्तर प्रदेश), मो.9873297097 *(अगस्त)*

★ **आकाश जैन** पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार जैन, जन्मतिथि 13.10.1994, कद 5'-9'', शिक्षा- बी.टेक. मैकेनिकल, जॉब- सॉफ्टवेयर डवलपर (उत्कर्ष क्लासेज), पैकेज 5 लाख प्रति वर्ष, गोत्र : स्वयं- चौडबम्वाड, मामा- पावटिया, सम्पर्क : 9413066041, 6375638044 *(अगस्त)*

★ **रजत जैन** पुत्र श्री प्रकाश चन्द जैन, जन्मतिथि 22.02.1996 (प्रात: 11:35 बजे), कद 5'-5'', शिक्षा- बी.टेक., जॉब- आई.टी. कम्पनी, वेतन- 60 हजार प्रति माह, गोत्र : स्वयं- बडवासिया, मामा- महला, सम्पर्क : 241, शान्ति कुंज, अलवर, मो.: 7410815584 *(अगस्त)*

★ **ऋषभ जैन** पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन, जन्मतिथि 13.05.1995 (प्रात: 06:00 बजे), कद 5'-5'', शिक्षा- बी.कॉम., पीजीडीएम फाइनेंस, जॉब- एरिया क्रेडिट मैनेजर लार्सन एंड टुब्रो फाइनेंस जोधपुर ब्रांच, आय- 10 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं- जनूथरिया, मामा- चौरबम्बार, सम्पर्क : प्लाट नं. 9, भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर, मो.: 9460312001, 9414866607 *(अगस्त)*

★ **Mayank Jain** (Manglik) S/o Sh. Parasmal Jain, DoB 07.11.1996 (at 12.53 AM, Alwar), Height- 5'-6", Fair Complexion, Education- B.Tech (CSE), Occupation- Software Engineer at SITA Aero (Gurugram), Package- 12LPA, Gotra : Self- Athwarsiya, Mama- Singarwasiya, Contact : 357, Shanti-Kunj Colony, Alwar-301001, Mob.: 8432203386 *(June)*

★ **Chirag Jain** S/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 10.04.1994 (at 11:05 AM, Kota), Height- 5'-9", Education- Bachelor's of Arts, Occupation- Tyre of Alignment Plant Business (Durga Tyre Care, Kota), Income- 10 LPA, Gotra : Self- Athvarsiya, Mama- Chorbambar, Contact : Prakash Chand Jain, Mob.: 9950116962 *(June)*

★ **Aashish Jain** S/o Sh. Gopal Kumar Jain (Baragma Wala), DoB 25.11.1993 (at 4:30 PM, Jaipur), Height- 5'-5", Education- M.Com., B.Com., JOB- Senior Accounts Manager (Sparrow Softech Private Limited), Jaipur, Gotra : Self- Bhoradangiya, Mama- Badariya, Contact : Plot.No. 5, Pream Nagar Vistar, Mahi Path, Gujar ki Thadi, Jaipur, Mob.: 9214028279 *(June)*

★ **Kapil Kumar Jain** (Sonu) S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 12.12.1993 (at 11:30 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education-Polytechnic Diploma (Mechanical Engineering + Graduate in BA and Computer Diploma), Occupation- Working in Private Company in Jaipur, Income- 4 LPA, Gotra : Self- Kher, Mama- Nangesariya, Contact : H.No. 245, Shiv Colony, Mehandipur Balaji (Dausa), Mob.: 8955011011, 9784761984 *(June)*

★ **Ayush Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain (Nowgaon), DoB 07.01.1994, Height- 5'-7", Working as a Dupty Manager in ICICI Bank, Jaipur, CTC 9.50 LPA, Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Angrus, Contact : H-705, Apna Ghar Shalimar, Gate No. 2, Alwar, Mob.: 9828865133, 9782084142 *(June)*

★ **Sohil Jain** (Manglik) S/o Sh. Yogesh Kumar Jain, DoB 18.06.1992 (at 12:25 PM, Bharatpur), Height 5'-10", Education- B.Com., MBA (Finance), Occupation- Senior Commercial Officer in MNC, Income- 6 LPA, Gotra : Self- Muda, Mama- Chaurbabar, Contact : WZ-169, B/2 Lajwanti Garden, New Delhi-110046, Mob.: 9870111728 *(June)*

★ **Shubham K. Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 28.10.1993 (at 11:50pm, Agra),Height- 5'-8:, Education- B.Tech, Occupation- Senior Software Engineer, Income- 30 LPA, Gotra : Self- Salawadiya, Mama- Chandpuriya, Contact : Sh. Sunil Kumar Jain, C-3, Kedar Nagar, Shahganj, Agra, Mob.: 9837020651, 8077417805, Email : delta_agra@rediffmail.com *(June)*

★ **Prashnat Jain** S/o Sh. Subhash Chand Jain, DoB 18.09.1993 (at 08:03 a.m., Kherli, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech (CS), PG Diploma (Advanced Computing), Occupation- Senior Software Engineer, Visa Inc. (Bangalore), CTC- 26.48 LPA, Gotra : Self- Bhadkolia, Mama- Chorbambar, Contact : 103/19, 20 Patel Marg, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9414310994, 7014938851 *(June)*

★ **Umang Jain** S/o Sh. Sandeep Kumar Jain, DoB 13.02.1995, Height- 5'-10", Fair Complexion, Education- B.Tech (ECE) from BIT Mesra, Ranchi, Job- Software Engineer at MNC, Package- 13 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Chaudhary, Contact : Plot No. 210, Shri Vrindavan Apartment, Street No. 8, Moti Nagar, Jaipur-302021, Mob.: 9001195231, 9784686820, Email : skjain190@gmail.com *(June)*

★ **Vipin Jain** S/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 15.12.1996 (at Agra), Height- 5'-7", Education- B.Com. 1st Year , Occupation : Own Business (R.K.Builder) & Interior Contractor, Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Bhamariya, Contact : H No. 831, Sector-7 Avas Vikas Colony, Bodla, Sikandra Road, Agra, Mob.: 8997959508, 9634017402 *(June)*

★ **Sushil Kumar Jain** S/o Sh. Rakesh Chand Jain, DoB 07.08.1993 (at 7:30 AM, Bharatpur), Height- 5'-7", Fair Colour, Education- B.C.A (Bachelors in Computer Application) From Vel tech University, Job- Senior Digital Sales Executive at Lifecell International Private Limited, Packege- 3,84,000 LPA, Gotra : Self- Sengarvasiya, Mama- Gindoravakas, Contact : 11 VRD Nagar, Madhavaram, Chennai-600060, Mob.: 9444740012, 9381940867, 8778864201 *(June)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Rikhab Chand Jain, DoB 25.04.1991 (at Jaipur), Height- 5'-9", Fair

Complexion, Education- BA, Occupation- Private Job (Xenos India), Salary- 1.8 LPA, Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Kotiya, Contact : Plot No. 2, Lovekush Nagar, Keshav Vidhiya Peeth Chauraha, Jamdoli, Agra Road, Jaipur, Mob.: 9571985827, 7300165032 *(June)*

★ **Shalaj Jain** S/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 26.08.1994 (at 7:05 pm, Jaipur), Height- 5'-8", Education- B.Tech. (Electrical), Job- Electrical Engineer in GLS ELOPAK Rewari, Gotra : Self- Chandpuriya, Mama- Choudhary, Contact : A-15 A, Ram Nagar Vistar, Goner Road, Jaipur, Mob.: 8739953356, 9829196973 *(June)*

★ **Harsh Jain** S/o Sh. Akhilesh Jain, DoB 28.02.1995 (at 11:01 am, Agra), Height- 5'-10", Education- B.Tech. (CS), CDAC Big Data Anatytics, Job- Deputy Manager Platform Architecture at Bajaj Finserv Ltd., Contact : A-3, Shambhu Apartments, Professors Colony, Civil Lines, Hariparwat, Agra-282002, Mob.: 8273364316 *(June)*

★ **Ankit Jain** S/o Late. Sh. Laxman Das Jain, DoB 31.10.1996 (at 01:42 PM, Morena), Height- 5'-7", Fair Colour, Education B.Com., Occupation- Ankit Iron Industries (Manufacturing & Retail), Gotra : Self- Baribar, Mama- Sangeswariya, Contact : Saurabh Hardware, Shri Ram Plaza Ke Samne, Duttpura, Morena, Mob.: 7898648301, 9179346078 *(June)*

★ **Rishabh Jain** S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 27.11.1994 (at 6.45 PM, Alwar), Height- 5'-5", Fair Colour, Education- Bachelor of Commerce, Subodh PG College, Jaipur, IPCC Institute of Chartered Accountant of India, Jaipur, Working- Service in KIRBY Building Systems, Hyderabad, India as a Senior Executive - Treasury, Salary- 7.8 LPA, Gotra : Self- Kudal, Mama- Kotiya, Contact : 198-B, Mangal Vihar, Agra Road, Jaipur, Mob.: 9829333178, 9829719914, Email : anilrrr7@gmail.com *(June)*

★ **Kshreyansh Choudhary** DoB 17.10.1994 (at Kota), Height 5'-11", Education B.Tech (ECE) Vellore Institute of Technology, Vellore, Occupation- Senior Software Engineer at Progneur Technologies, Pune (Currently WFH), Income 19 LPA, Gotra : Choudhary, Contact : 202, Divine Colonia, Shri Krishna Nagar, Patrakar Colony, Jaipur, Mob.: 9624607841, 9376522847 *(June)*

★ **Nikhil Jain** S/o Sh. Rakesh Jain, DoB 30.08.1995 (at 6:31 pm, Agra), Education- B.Tech (IIT BHU), Job- Software Developer in Microsoft Hyderabad, Package- 45 LPA, Gotra : Self- Baderiya, Mama- Sengar, Contact : 9634616614, 9045487215 *(June)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Anupam Jain, DoB 13.10.1995 (at 2:15 AM, New Delhi), Height- 5'-11", Education- B.Tech from Amity School of Engineering & Technology, Occupation- Senior Engineer at Expedia Group (US based MNC), Salary- 36-40 LPA, Gotra : Chorbambar, Contact : C-5A/154 Janakpuri, New Delhi, Mob.: 9868766515, 8285271435, 7982649093, Email : adi.13.jain@gmail.com *(June)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Indramohan Jain, DoB 09.08.1991 (at 12:15 pm, Bharatpur), Height- 5'-9", Fair Colour, Education- MBA, M.Com., Job- Branch Relationship Officer at Aditya BIrla Sunlife Insurance in Bharatpur Region HDFC Bank, Packege- 6 LPA, Gotra : Self- Janothariya, Mama- Bhadkoliya, Contact : Near Soni Academy School, Neem-da-Gate, Bharatpur-321001, Mob.: 8949003300, 9414271912 *(Aug.)*

★ **Ayush Jain** S/o Sh. Gopal Jain, DoB 30.09.1992 (at 5:28pm, Jaipur), Height- 5'-8", Education- B.Tech, M.Tech (ME), Job- Govt. Job Jr. Accountant-Railway, Post GM Office Jaipur, Gotra : Self- Bhamariya, Mama- Bhadkolia, Contact : 432, Rajni Vihar, Ajmer Road, Heerapura, Near 200ft. Bypass, Jaipur, Mob.: 9413042927, 9460474389 *(Aug.)*

★ **Parag Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 21.10.1995 (at 10:54 PM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech (CS), Working as a Assistant Manager in SBI, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Athwarsia, Contact : 27/169, Naruka Colony, Alwar, Mob.: 7014560816 & Whatsapp. 9785564525, Email : satishjain912@gmail.com *(Aug.)*

★ **Ajit Jain** S/o Late Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 27.06.1990 (at 3:55 PM, Bharatpur), Height- 5'-10", Education : B.Tech (VIT Vellore), Presently Working as Junior Statistical Officer in Subordinate Statistical Service under Ministry of Statistics and Programme Implementation, Posted at New Delhi, Gotra : Self- Chourbambar, Mama- Borandangya, Contact : 1. Smt. Pushpa Jain, Bharatpur, Mob.: 9785122157, 2. Ashwani Jain, Bharatpur, Mob.: 63504275793, 3. Alok Jain, Bharatpur, Mob.: 9686695963 *(Aug.)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Deepak Kumar Jain, DoB 12.12.1989 (at 02:20 PM), Height- 5'-7", Education- B.Tech. in ECE, Occupation- Technical Program Manager at Bungee Tech,

Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Kotiya, Contact : 54/147, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 94133-93569, 93515-46033 *(Aug.)*

★ **Rohit Jain** S/o Sh. S.K. Jain, DoB 23.07.1992 (at 12:20 pm), Height- 5'-5", Education- M.Com & CA Inter, Occupation- Stenographer Grade-1st (Income Tax Deptt. Central Govt.) Posted at Bangalore, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Dhati, Contact : B-48, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur, Mob.: 9660255730, 7877326965, Email : skjainb48@gmail.com *(Aug.)*

★ **Divyansh Jain** S/o Sh. Ranjan Jain, DoB 18.07.1995 (at 7:52 PM, Jaipur), Height- 5'-11", Education- B.Tech (Civil) (IIT Roorkee), M.Tech, Job- Data Analyst at Stashfin, Gurugram, Gotra : Self- Chandpuria, Mama-Choudhary, Contact : 9664167069, 7014129995 *(Aug.)*

★ **Vishal Jain** S/o Sh. Suresh Chand Jain, DoB 03.09.1991 (at 1:30 AM, Delhi), Height- 5'-7", Education- M.B.A., M.Com., Occupation- Finance Analysts in Safexpress Pvt. Ltd., Package 5 Lakh, Gotra : Self- Aameshri, Mama- MaiMunda, Contact : WZ-1194, Palam, Near Dwarka, Sector 7, New Delhi-110045, Mob.: 9810512673, 9810864505 *(Aug.)*

★ **Nilesh Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 30.6.1985 (at 1:22 pm, Ajmer), Height- 5'-8", Education- M.Com, MBA, Occupation- Working as a State Head at Manba Finance Ltd. Co. Jaipur, Income- 11.75 LPA, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Chorbambar, Contact : 11/40, Kaveri Path, Mansarover, Jaipur, Mob.: 9829818894, 9983444198 (W) *(Aug.)*

★ **Dr. Ashish Jain** S/o Sh. Harendra Kumar Jain, DoB 01.01.1995 (at Achhnera), Height- 5'-5", Complexion- Fair, Education- BDS, Occupation- Practising and Pursuing Fellowship in Oral Implantology, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Rajouria, Contact : 1438, Mohan Girara, Achhnera, Agra, Mob.: 9410205323, 7906973116 *(Aug.)*

★ **Ankur Jain** S/o Sh. Prabhu Dayal Jain, DoB 15.04.1990 (at 1:00 am, Joura), Height- 5'-5", Education 12th, Profession- Cloth Merchant, Gotra : Nagesuriya, Mob.: 9981787796 , 9893328077 *(Aug.)*

★ **Ayush Jain** S/o CA Rakesh Jain, DoB 21.03.1994 (at 05:40 AM, Agra), Education- B.Tech (D.E.I), M.Tech (IIT, Delhi), Height 5'-11", Job- Sr. Engineer at Qualcomm, Banglore, Package- Above Rs. 40 LPA, Gotra : Self- Baderia, Mama- Badwasiya, Contact : 13A, Jairam Bagh, Dayalbagh, Agra- 282005, 21/13, Dhuliaganj, Agra- 282003 (U.P), Mob.: 9319121588, 7599003358, Email : carakeshkumarjain@gmail.com *(Aug.)*

★ **Vivek Jain** S/o Sh. Komal Prasad Jain, DoB 29.08.1989 (at 9:40 am), Height 5'-8", Complxion Fair, Education- B.B.A, L.L.B Gwalior, Occupation- Law Practice in Jaipur High Court (Rajasthan), Gotra : Self- Chorambar, Mama- Lohekarre, Contact : Hanuman Nagar, Near Hind Ice Factory, Phalka Bazar, Lashkar, Gwalior. (M.P.), Mob.: 9301122024, 9301723090 *(Aug.)*

★ **Lakshya Jain** S/o Sh. Rajesh Jain, DoB 16.11.1994 (at 06:45 P.M., New Delhi), Height- 5'-9", Fair Complexion, Education- Bachelor of Architecture (2018), School of Planning and Architecture (S.P.A), Bhopal (An institution of National Importance, Govt. of India), Professional- Sr. Product Designer at FarmSetu Technologies, Nashik, Salary- 25 LPA, Hybrid Work Model (Ongoing), Gotra : Self- Bhaderia, Mama- Bamb, Contact : C-7/176, S.D.A, Hauz Khas, New Delhi, 312, Jaipur House Colony, Agra, Mob.: 9891408728 *(Aug.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Upendra Kumar Jain, DoB 01.03.1995 (at Alwar), Height- 5'-7", Fair Complexion, Eduaction- Master of Business Administration (Finance), Occupation- Branch Credit Manager in IDFC First Bank, Alwar, Gotra : Self (Chorbambar), Mama- Rajoriya, Contact : Flat No. C-408, Manglam Residency, Near Itarana Circle, Alwar, Mob.: 6350158479, 8854020347 *(Aug.)*

★ **Deepesh Kumar Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 21.10.1996 (at Jaipur), Height- 5'-9", Education- B.Tech (Electrical), Profession- Sr. CCTC at Central Railway, Mumbai, Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Kyare, Contact : P32, Shyam Enclave Colony, Panchywala, Sirsi Road, Jaipur, (Raj.)-302034, Mob.: 9782157584, 9057369253 *(Aug.)*

★ **Yash Kumar Jain** S/o Sh. Satyendra Kumar Jain, DoB 21.09.1993 (at 05:20 PM, Mandawar, Dist. Dausa), Height- 5'-8", Fair Colour, Education- B.Com, M.Com (Business Administration), Occupation- Working as Branch Relationship Executive with SBI Card (Through Team Lease Services) at Jaipur, Gotra : Self- Badhwasiya, Mama- Singhai, Contact : Flat No. G1, Plot F, Evershine Residency, Near Bharat Mata Circle, Vinayak Vihar, Jaipur (Raj) -302020, Mob.: 9460418004, 7791051514, 9413147737 *(Aug.)*

★ **Ankush Jain** S/o Sh. Komal Prasad Jain, DoB 26.07.1990 (at 7:54 pm), Height 5'-8", Complxion Fair, Education- B.Com., MBA, Gwalior,

Occupation- Working American Tower Company, Gotra : Self- Chorambar, Mama- Lohekarre, Contact : Hanuman Nagar, Near Hind Ice Factory, Phalka Bazar, Lashkar, Gwalior. (M.P.), Mob.: 9301122024, 9301723090 *(Aug.)*

★ **Tarun Kumar Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 30-09-1992 (at 6:45am, Alwar), Height- 5'-9", Fair Complexion, Education- Graduate, Alwar Nursing of Collage, Alwar, Occupation- Nursing Superintendent, Railway (NCR), Gotra : Self- Bhadwasiya, Mama- Chorbambar, Contact : 2/300, Kala Kua Housing Board, Alwar (Raj) 301001, Mob.: 9413739164, 8290253810 *(Aug.)*

★ **Sparsh Jain** S/o Sh. Manoj Kumar Jain, Dob 09.12.1995 (at 6:15 AM, Jaipur), Height- 5'-7:, Education- Bachelor of Technology (Graduated) UPES, Dehradun, Occupation- Data Analyst at Ernst & Young Global Delivery Services, Gotra : Self- Kudal, Mama- Ambia, Contact : Pili Kothi, Near Jain Temple, Mohalla Gopal Garh, Bharatpur-321001 (Raj.), Mob.: 9468922589, 9511540040, Email : manoj.136555@gmail.com *(Aug.)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Vimal Kumar Jain, DoB 20.03.1994 (at 06:12 PM, Palam New Delhi), Height- 5'-6", Fair, Smart & Soft Spoken, Education- BCA + MCA, Job Profile- Senior Engineer Cloud & Infra at Larsen and Toubro InfoTech, Salary- 12 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Vijeshwari, Contact : H.No. 132\2, Gali No. 4, Sadh Nagar, Palam Colony, New Delhi-110045, Mob.: 9818783172 *(Aug.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Subhash Jain, DoB 25.06.1995 (at 04:20 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education- B.Com, PGDM from RIIMS Pune, Job-Working in Godfrey Phillips India Ltd. as ASM at Jaipur, Gotra : Self- Salawadia, Mama-Badwasia, Contact : Vaishali Nagar, Jaipur, Mob.: 9414073201 *(Aug.)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Rakesh Jain, DoB 18.08.1994 (at 23:55, Alwar), Height- 5'-8", Education- B.Tech (Electronics & Communication) (Poornima College of Engineering, Jaipur), Occupation- Work as Software Engineer (Naggaro Multi National Company, Jaipur), Self Business also, Income 10 LPA + Self Business Income, Gotra : Self- Laidoriya, Mama-Chaudhary, Contact : 37/46, Rajat Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9414769983 *(Aug.)*

★ **Nishant Jain** S/o Sh. Suneel Kumar Jain, DoB 09.01.1994 (at 08:50 am), Height- 5'-2", Education- B.Tech (Electrical), Occupation- Site Engineer Elect. Ajmer Division of North Western Railway Udaipur City Chaitanya Projects Consultancy Pvt. Ltd., Package 5 LPA, Gotra : Self- Baderiya, Mama- Badvasiya, Contact : SC 10, Vivek Vihar, Alwar, Mob.: 9413021206, 9460600752 *(Aug.)*

★ **Anshul Jain** S/o Sh. Dinesh Jain, DoB 02.01.1995 (at 12:05 am, Kanpur), Height- 5'-8", Education- B.Tech (Instrumentation and Control), Dehradun, Occupation- Design Manager, Package 22 LPA, Gotra : Self- Kotia, Mama-Karsolia, Contact : G-5, Shanti Nagar, Cantt, Kanpur-208004, Mob.: 8874596515, 7275009272, 9897791194 *(Aug.)*

★ **Rajat Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 02.11.1992 (at 02:10 pm, Mathura), Height- 5'-8", Education- B.Tech (Computer Science) from B.B.D. University Lucknow, Occupation-Software Engineer in Disprz Company, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Maimuda, Contact : H.No. 133, Dalpat Street, Koyla Wali Gali, Holigate, Mathura-281001, Mob.: 9058485772 *(Aug.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 26.10.1991 (at 05:25 pm), Height- 5'-8", Education- BBA, Company Secretary, Gotra : Ambia, Contact : Ambia Sadan, Mehtab Singh Ka Nohara, Alwar, Mob.: 9414018049, 8107606969 *(Aug.)*

★ **Dr. Mohit Jain** S/o Sh. Rajkumar Jain, DoB 10.03.1998, Height- 5'-7", Fair Complexion, Education- MBBS AIIMS Jodhpur, MD Medicine Govt. Medical College Udaipur (RNT) under training, Stipend- 76,000/- per month, Gotra : Self- Kotia, Mama- Choudhary, Contact : 282, Scheme No. 8, Gandhi Nagar, Alwar, Mob.: 6377405941, 9460601532 *(Aug.)*

★ **Ayush Jain** S/o Sh. Sushil Kumar Jain, DoB 05.03.1997, Height- 5'-5", Fair Complexion, Education- M.Com., PGDM, MBA, Occupation-Sr. Executive in Safexpress Pvt. Ltd., Gurugram, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Aamia, Contact : Meera Nikunj, 276, New Adarsh Colony, Daudpur, Alwar, Mob.: 9460652483, 9785583655 *(Aug.)*

★ **Kapil Pawan Jain** S/o Sh. Pawan Kumar Nemichand Jain, DoB 06.03.1998 (at 9:00 am, Agra), Height- 5'-7", Education- B.Com., Pursuing US CMA, MBA, Occupation- Asst. Manager (Accounts & Finance) in Sarvagram Fincare Pvt. Ltd., Mumbai, Salary- 7.2 LPA, Gotra : Self- Kotia, Mama- Rajoriya, Contact : 905, Radha Raman Society, Opp. D-Mart, Near Maxus Mall, Bhayander West, Mumbai-401101, Mob.: 9969373009, 7021687465 *(Aug.)*

* * * *

पत्रिका विज्ञापन सहयोग राशि

** संशोधित दरें दिनांक 25.01.2022 से लागू*

	वार्षिक	मासिक
कवर पृष्ठ अंतिम (मल्टीकलर)	31,000/-	
कवर पृष्ठ द्वितीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कवर पृष्ठ तृतीय (मल्टीकलर)	25,000/-	
कलर पृष्ठ (मल्टीकलर)	21,000/-	3,000/-
पुण्य स्मृति आधा पृष्ठ श्वेत श्याम	10,000/-	1,000/-
पुण्य स्मृति पूरा पृष्ठ श्वेत श्याम	15,000/-	1,500/-
पत्रिका सदस्यता		
पत्रिका वार्षिक शुल्क	50/-	5/-
पत्रिका आजीवन सदस्य	500/-	
पत्रिका संरक्षक सदस्य	11,000/-	
पत्रिका हितैशी सदस्य	5100/-	

सूचना

(अ) रु. 500/- से कम के आर्थिक सहयोग राशि वालों के नाम पत्रिका में प्रकाशित नहीं किये जायेंगे।

(ब) जो सदस्य अपनी पत्रिका कोरियर द्वारा प्राप्त करना चाहते हैं वह रु. 50/- प्रति माह के हिसाब से एक वर्ष का शुल्क रु. 600/- श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को भेजें।

- *पत्रिका हेतु प्रकाशनार्थ सामग्री पत्रिका संयोजक/सम्पादक के पास ही प्रेषित करें, जो प्रत्येक माह की 15 तारीख तक प्राप्त होनी चाहिये।*
- *पत्रिका हेतु सदस्यता शुल्क/विशेष सहायता संयोजक के पास प्रेषित करें।*
- *पत्रिका में स्थान उपलब्ध होने पर ही विज्ञापन का प्रकाशन किया जायेगा।*
- *गत वर्ष के रंगीन विज्ञापनदाताओं की बकाया विज्ञापन सहयोग राशि शीघ्र संयोजक के पास भिजवाने का कष्ट करें।*

आप पत्रिका की भुगतान राशि 'श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका' के नाम से या ऑनलाईन खाते में भी भेज सकते हैं, विवरण निम्न है :-

"SHRI PALLIWAL JAIN PATRIKA"
Bank Name : **BANK OF BARODA** • Branch : **DURGAPURA, JAIPUR**
A/c No.: **38260100005783** • IFSC Code : **BARB0DURJAI**

पत्रिका राशि ऑनलाईन जमा कराने के बाद संयोजक को सूचना देवें एवं ट्रांसफर राशि का स्क्रीन शॉट ईमेल पर भी भेजें, इसके अभाव में जमा राशि का समायोजन किया जाना संभव नहीं होगा।

चन्द्रशेखर जैन, संयोजक पत्रिका
मो.: 9829134926

मान्यवर,

सभी साधर्मी बन्धुओं को सुचित किया जाता है कि अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा को विधवा सहायता एवं अन्य सहयोग प्रदान करने हेतु राशि चैक, नकद या ऑनलाईन महासभा के खाते में जमा करवाई जा सकती है, जिसका विवरण निम्न है :-

"AKHIL BHARTIYA PALLIWAL JAIN MAHASABHA"
Bank Name : **STATE BANK OF INDIA** • Branch : **C-SCHEME, JAIPUR**
A/c No.: **51003656062** • IFSC Code : **SBIN0031361**

राशि जमा कराने के पश्चात अर्थमंत्री को अवश्य सूचित करें, जिससे जमा की रसीद प्रेषित की जा सके।

भागचन्द जैन, अर्थमंत्री महासभा
मो.: 9828910628

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9690441107 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Shree Vimal Silica Traders
★ S.B. Jain Mineral Enterprises

Late Sh. Bimal Chand Jain
(Reta Wala)

ANKIT JAIN

AKHIL JAIN

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क :
Ankit Jain - 09837478564
Akhil Jain - 09690441107

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/410/2022-24

RERA Registration No.
RAJ/P/2022/2193
www.rera.rajasthan.gov.in

www.pearlgroupindia.com

Pearl
Build Trust & Loyalty

Pearl
ROYAL
2/3 BHK Exclusive Apartments

An exclusive place
that you can call home

D-231 B, Tulsi Marg, Bani Park, Jaipur (RAJ)

GYMNASIUM | MULTIPURPOSE HALL | INDOOR GAMES

Builder & Developers
Pearl India Buildhome (P) Ltd.
PEARL DEEWAN S-14, Mangal Marg,
5th floor Bapu nagar, Jaipur-302015
Ph.: +91 141 4014044
Website : www.pearlgroupindia.com
E-mail : pearlgroup.vijay@gmail.com

Member
TODAR | CREDAI RAJASTHAN | RAJRERCO

Dr. Raj Kumar Jain : 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain : 9829010092

3 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 800 Apartments | 35 'Pearl' Tower | 6 Townships

Disclaimer:- The image shown in indicative only and the actual view may differ from the one shown here.

If Undelievered, please return to :
श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी- अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।